ग॥ ॐ ॥ गठथिचनिमन सहजज्ञानैदिगा२
त्रिरवनसचना चचत्रकमचृनि॥ ॐ ॥ ॥

जैन आत्मानन्द सभा
437

ଅଟେ ॥ ଏହାର ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପ୍ରସାଦ
ଦିଆଯାଏ ॥ ଏହାର ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ମନୁଷ୍ୟର ଶରୀର ଓ ଜୀବାତ୍ମା
ଉଭୟର ଉପକାର ହୋଇଥାଏ ॥ ୪ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ
ଅବଶ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ କରିବା ଉଚିତ ॥ ୫ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ
ଅବଶ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ କରିବା ଉଚିତ ॥ ୫ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ

ଅବଶ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ କରିବା ଉଚିତ ॥ ୫ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ
ଅବଶ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ କରିବା ଉଚିତ ॥ ୫ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ
ଅବଶ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ କରିବା ଉଚିତ ॥ ୫ ॥ ଏମନ୍ତେ ଏହି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ

वचनधरकरी२ चारुमतिश्वरी॥ ॥चविशतिजिनयुक्त त्रिनयनशशर२ सत्यप्रकाशिन कुंड
लकर्णी॥ ध्रु ॥कुलिशांकशोभित धर्मतिर्थकर२ विधिहरिशीकर सुरपतिसविता॥ ध्रु ॥वदनाग्नी ध्रु
मीलितवर्ण२ एनमिविजयहर्ष यामिनिगीते॥ ध्रु॥

नागकन्यदि॥ मालनृक॥ ॥जननिविजयधरसि किं
शिवनवदनै२ जीवनपुत्रिन जीमूतवर्षू॥ ध्रु ॥जय
जयदवी श्रीनीलवानाहि॥ चतुरसमाजै नोमितवा
हे॥ ॥डईपिंगलकनि त्रिनयनशमर२ देवाधिप
वसुधे धनधानन्नाव॥ ध्रु ॥श्रीकुंथुहरु महिमवा

हनन२ ननमृतमाल·मालहीषधीनूप॥ ॐ॥ सकगुर्च
त्रधी·मस्तकघनधी२ एनसिविध्वनीदवानाहिगी
री॥ ॐ॥ ॥नागनामकनि॥तालमाथ॥ ॥हयग्रीवस्
न·मीजिनदहा·महामरुतसहगासुवर्धू२ नृकवद
न·त्रिनयन६मखिल·शिखलघीजम भवासिनि॥ ॐ॥

नमामि२ श्रीत्रैलोक्यमिनिदवीसकलजागिनि·धनि·त्रि
दशाध्यक्षा॥ ॥दानवनडम·मोलिनविलासिनि२ त्रि
भुवनमाकृमणि·घ्रणाअनि॥ ॥दहिनभुजमकधनिन·
गाक्षुवाग्नि२ त्रिभुवनकलिबन·विनाशन॥ ॥वाम
भ्रमभुजधनिनत्तमाशि२ सकलसत्त्वसुखप्रदा

यनि॥ ॥सत्यवचित॰पुष्कलितमङ्गलाः॰निर्मलचरित्रागम
मन्त्र॰निवासिनि॥ ॥शिल्पकलना॰श्रुतिमतकल॰च
तुर्वर्गगुणस्थान॰प्रदायनि॥ ॥गर्वनिहानवज्र॰गुरुपथि
गात्रधर्म॰ह्लानिविचलन॰शिवनमिता॥ ॐ॥ ॥
त्यागत्यागसक्तनि॥तालमाथ॥ ॥मदनि॰कल॰शुभ्रिवा

यूर्मीजलजपसेवित॰श्रीसमत्र२नानानल्लमय॰ज
लित॰टङ्कत॰मंजसेवित॰श्रीसमत्र॥ ॐ॥नमामि२
श्रीगुरुवजसत्व॰ज्ञानगगुणनिधि॰सागना२॥ ॥वि
श्वनाभ॰विश्व॰आपितगुरु॰त्रिभुवनसे॰पूजिता
॥ ॐ॥॥साकाशवर्णमूल॰नयनहविमल॰वज्रपी॰

अनिमा२ लिलक· सवर्धू: सलोकन: नल्लमकृ·
णिनधना॥ ॐ ॥नल्लकुंडल· सचिंत्रा चोवना· सव
पर्म्मेक· सीस्थिता२ चतुनघोषादि· गजनल्लादि· नल
मंडल· सीपूर्ण॥ ॐ ॥ जदिप्रमादिन· गमवैनिविला
सवज्र· गुनिनैरुन· णिनधना२॥ ॥अद्भिसिद्धि

वनप्रदाता· सर्वक्लेशिन· ज्ञानरुव· प्रदाता॥ ॐ ॥ ॥
नागकन्ध॥ तालजट्कीकाल॥ ॥ क्रोनिनूपंचक्रि
न· वीजाक्षरमध्यगतै२ ॐकारमन्त्रजन· वीजसीजा
तं॥ ॐ ॥ एजामिश्रीमदमाप्रपाण लोकन्धनै२॥ ॥
णिनसिश्रीन्नमिलाएलभगतअनिसी२ श्रीसवर्धूम

कमलवसुमितसूकनी॥ ॥ऊनलाकीतरुय॰ प्रदीक
मीजलीश्वानयमविशीकनगसूतीली॥ ॥सूक्ष्मित
वसदीनिऊसूवसूवनेश प्रामणासमूहनीमेकऊनाली
॥ ॥रवऊलनिधिमग्नस्नानलाभातीश हीरुनग्रिद
जनकूणनिसूदनी॥ ॥अऊऊजीमनूदानधूतऊममा

हीश हींवाविप्रदान॰ पूस्तकभनिधी॥ ॥विश्वहितम
हिकऊ॰ हींस्थिनवत्रदवीश प्रऊनिलयन॰ पंचलमस
वीरी॥ ॥वसूनिधिविवनेः हीयूतहायनेश ऊाऊकूम
पंचमीपूऊयाभिरवीती॥ ॥ ॥नागनेत्रविशाल
ऊप॥ ॥पूर्वब्रह्मायहि॰ हंसमानऊाश कनकवर्ण

ॐ ऊं ब्रह्मणि २ ऊर्ध्वतमाहं व्यतीं · ह्रषवाहना २ वीर
धवलासन · त्रिशूलहस्ता ॥ ॐ ॥ ॐ कौमारि महाशक्ति ·
नीलवर्णसहिता २ सहस्रैसवगणपतिसहिता ॥ ॥ ॐ
ह्रषिकेशसुन्दरि · मांकुशदाता २ हुमत्रीन पाशविना
शकाशि ॥ मध्यिम ॐ ग्रावणी · हस्तिवाहना २ कंकुम
वर्ण · वज्रहस्ता ॥ ॥ ह्रक्तिमवाना हि · घनमातनुता २ शं
कुशहस्ता · महिषासना ॥ ॥ ॐ हीं मन चैंडी दवी · धूम
वदना २ सिंहवाहना · खड्गहस्ता २ ॥ ॥ ॐ ऐं कौमारी ·
मयूरवाहना २ नकुलाजावर्ण · शक्तिहस्ता ॥ ॥ ॐ
ऋग्वेदमूर्तीगरुडवाहना २ श्यामवदना · चक्रहस्ता २

॥ ॥ वायुमचामुंडाकंकालरूपा२ कर्किमुंडवेताल
मालरूपा॥ ॥ सप्तकुलनाग मंत्रादिकंकणधारि
सहितदेवी २ प्रणमामिदेवीतवपादारविंद॥ सुगति
सुगतिमनोकामदेवी॥ ध्रु ॥ ॥ नागकंकण॥ ॥ नालंब
कंकाल॥ ॥ सचिंत्यमकरूप शुरुलेमलिता२

नानानभिलाकन प्रकाशिमकीर्ता॥ ध्रु ॥ नमामि२
श्री चन्द्रसूर्य्य२॥ ॥ त्वमवर्मी गनदंपते २गर्क
तेन वाच्यते॥ ध्रु ॥ नाग्रीश्रीचंद्र सगसमावा२स
मसहिता त्रिभुवनव्याविता॥ ध्रु ॥ दिनश्री सूर्य्य
सगग्रह२ समसहिता त्रिभुवनलोकन॥ ध्रु ॥

श्रीमन्नित्यक्लिन्नाकादम्बरी २ श्रीमद्गासनवन कल्पल
मय॥ ध्रु ॥ उगतस्वप्रकाशि मनोन्मनाविलास २ क
मलकन्द व्यापिहन्मठ॥ ध्रु ॥ सद्गुरुचरणाम्बुज नि
धियां २ हननिविलास वज्रगीत॥ ध्रु ॥ ॥
नागलालित॥ तालरव॥ ॥ विश्वदल पद्मापवि

मकानक चक्र २ मी तलमध्य मीकानसंरवी॥ ध्रु
नमाशि २ दवी श्री त्रार्य नाविनी २ त्रा पदा हानि
ही विश्ववदा यिनीं॥ ॥ भूमिन चूचिकिन कलाम
कूटधानिनी २ हितला मकमूलो हिमी शुधवली
॥ ॥ लक्ष्मक चक्र वनप्रदी वाम शुक्र ऊर्ध्वी वनी २

वृग॰विचित्रजरा॥ ॥हिंह॰नख॰यनि॰कीऊ२ल
खिलासनाऊयऊय॥ ॥नेपालहायन॰धनसयनिधा
नेर दुर्गकुलूहमि॰लोम्बनाम॥ ध्रु ॥नागकेस॥
तालजङ्घीकोल॥ ॥सुखावतीरवनव्यन॰श्रीम्
सिंहा२लक्ष्मागनिमोधन॰श्रीलोकेश्वन॥ ध्रु॥

नमानिश्रीमदमोघ॰आर्यलोकेश्वन२सहीगडमाज
ध॰ब्रजनाऊवन॥ ॥औकानवीरहव॰वलकम॰
लासन२सखऊनसी॰नम्मनचिह्न॰॥ ध्रु ॥शुक्रव
र्धलघनेऊ॰पद्मदलनत्र२मकुटजटाहट॰श्रीलोक
स्वी॥ ध्रु ॥सम्बरऊधानित॰सुरयनत्रा२श्रीनाथ॰ऊ

मालाविलसद्भालां ॥ ॐ ॥ वामकलाधरां कमनीयवपुः
त्रिदशवृक्षकं महत्सजधानिलां ॥ ॐ ॥ ललललकुल
पाशकुसुमेक्षुचापसमन्वितप्रकोष्ठां हस्तोपरिभ्रमितं
॥ ॐ ॥ नागकलहिं तालनृकं ॥ ॐ ॥ जलनूपजालिं
नि निनीलननिलीकुलं वा ललादिकं ललीलकं नौमि

खलदवह्नये ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीं गुरुकव्यनिदविश्रुतिं
मक्षिदावनिं रागारागननिं ॥ त्रिदलपद्माक्षवं सह
प्रमत्तप्राङ्गलं त्रिसन्ध्रदार्यं विश्वनूपजालिं ॥
खगाम्बुतमणिनिं विमुक्तगमालिनिं सत्वडचनं
णं नाशितनजालं ॥ विश्वमालिनिं नासणीं वि

स्वयमहंनासनवैरिनंचनरं॥ ॥ग्रहिमगहत्वल्ल·
रायमिदहि२ज्रसमुद्रपाय·ज्ञानमगति॥ ॥मोहा
हायन·वदत्रमिवीड२ वाचकंगुह्यहर्ष·गुह्यध्वनि
गीति॥ ॐ॥ ॥नागानागवल्लिदाहानां मालश्रीमाभ
ल्लंबकंगलंबाकंनग्रिनयनांश हुंखंगमहांकंन·

हिंकूनं·सधिकं॥ ॐ ॥नंनाकाश ॥ घोघनं·डनहार
एं·घनगुधनां२हुंगमूलंअंकुमंत्रं·धनिकं ॥ ॐह्रीं
नींफिंनीमाहंनीमाकर्षंहिं२मादिमध्यंनंकंकंगुंखं·क
ल्यामिकं॥ ॥स्वर्गमध्यं·पातालं·त्रिभुवनं२गंगंघं
निंघिं·सर्व·कार्यसिद्धि॥ ॐ ॥नागनामकग्रिंका

समाधा ॥ सचिक्रवृज्ञालन्न·अनवलवीजाद्रव·मि
सहीस्थित·मर्यादिश२ सकलिष्ठसिंहासनि·राजिती·
जिनवनै·वज्रधात्वम्बी·ब्रह्मयूती ॥ फ्रु ॥ नमामिश्री
महा·वेगाचनयूद्रे·जगत्सहिस्थिति·माजुम्भद२
चतुरवदनै·ल्वलमूलमूवी·श्रमत्पीतनीला·च्छम्

वी ॥ ॥ज्ञानसहिधर्म·चक्रप्रवर्त्तिती·सहानलेलङ्क
द·वेणुगधरी२ सकलज्ञानसान·पुस्तकभ्रमयन्·वाम
चाधारी·ऽः वहनी ॥ ॥ब्रह्मायधर्म·चात्रिलवज्रधे
०·धनिमीक्षिनवनै·ल्वलदहे २न्धवचिननी·धि
ज्ञननहिहवर्ज्ञ·पमहर्ज्ञाहिती·गीतवनी ॥ ॥ द्विजानि

आमचीइ·मिति॰नाथकृ॰वि॰ज्यतिथौ·थंभवास
ने२ श्रीकुंथुजि॰सिंहलांछनाभिधानन·मस्तिवासहित
न·स्तवनमिति॥ ध्रु ॥ ॥नागकुमारनालबद्धीकाल॥
मेरुदत्तकृतश्री·नमपालभासने२ गिरिमादनगमणु·मा
नमविजी॥ ध्रु ॥नोमिश्रीनमावृ॰नवजदकमली २

तस्मिन्नगरे·विनासितलक्षा॥ ॥श्रीजनधर्मेकृ॰ए
कूजदत्तधर्म२ दानीदादिहिकृगहो·स्तमाधयो पीचा
ल॥ ध्रु ॥तस्तूरदनाद्·गीधमादने२ समाधयोधर्मास्
नी·सस्थिनव्याहो॥ ध्रु ॥आधिशीप्रस्तो·नरुकृतपूर्व२
महासत्वमूर्ति·दर्शयहिरुवः॥ ध्रु ॥ ०॰ शिश्रवयन्स

हस्ताम्बुजविकसितमुखः वामिनावितहृदि नाभिनं
काले ॥ ॐ ॥ मणिखचितमय प्रकाशितचैत्र वाहिनी
देव सन्तानविराज ॥ ॐ ॥ नवपद्मकमलै पूजितप्रसाद
ग्र वहनधनम वासहतीनाके ॥ ॐ ॥ सत्गुरुवचनग
मरुकधनग्र एनतिश्रीधर्मसहर्ष चैत्रविवागीनि

॥ ॐ ॥ नागविलासमालमणि ॥ सहस्रदलमाध
क्तीनूलवृद्ध पूजनग्री नानाकुसुम अलङ्कार
॥ ॐ ॥ नमोजिनश्रीधर्मधनु त्रिहवननाथ ॥ मधुक
रिनि पूजनकरु ॥ ॥ सर्वदवाहनवैदिन चनग्री
शुनकशीकिनसिद्धिप्रसादा ॥ ॥ दुर्मवाधिसल्व मा

लचीपक्ष२ श्रनाहृद्विग्रहा३ ए३ श्रमहिता२॥ ॥ श्रहश्च
उ श्रहश्चेनवधागिनि२ श्रनकाशिधिस्ति॰ नक्षत्र॰
बान॥ ॥पूर्वदक्षिण॰ पश्चिमाकृत्रद्दिग२ नीलबी॰
नतकहसिता२॥ ॥पीचक्रिन॰ पीचक्षानस्वरूपा२ च
तुर्थी॰ चतुरस्रकि॥ ॥पीचपूत्रित॰ श्रीश्रमक्रिपूत

श्रम२ श्रनगक्रक्रिसिद्धिग्रहादा२॥ ॥एनधिसिद्धि
वक्रचत्रिमगीता२ श्रनम२ तुहमाकुघ्रदाता॰ क॥
नागगुजनी॰ तालमाथ॥ ॥लोहितवर्ण॰ नव॰ छिद्र
क्रमकवक्त्रा२ नगनमकुट कर्णावतत्रिन ग्रा॰
नमामिवृद्धजाकिनीशिखवनमाहिता२ दशादिग्

मानविघ्नविनाशिनी ॐ "सप्तकनगरशिवामहं
क्किमाजघनिनी२ मांकपुनमहाकुन·रवापूव्व
हला ॐ "हानूमतलमाऊ·उदियानगमना२
नानासप्तप्रासाद·समर्पव शिला ॐ "अहिनि
श्रीहमनं·विघ्नाध निमाला२ सगलगुणस्नानसि

क्रिमाजघ्रदा "ॐ" "नागठंगेन·मालश्री·साल
साथ "एकमुखत्रिनयन·गलधनवर्ण२ मकुट
हस्तसिन·अहिनिवृघ्र ॐ "नमामि२श्रीचैत
महाभोगय·मानगय·हैग्रासिन·रीतमानग "
प्रथम·कनदम·वज्रधे०·अनिन·२ "ऊषवजी·हमी

लिङ्गालिङ्गनमुद्रा ॥ ॥ द्वितीयगुह्यधनखड्ग
पा० २ नगलिमी उलमाङ्ग विनिहितज्ञान ॥ ॥ सर्वधर्म
न्नानमा प्राङ्गल्लाम् २ हृत्तनन् वैदिन नवपदकै
जी ॥ ध्रु ॥ हमगुन् चनमा मलिक धनमा२ एनाजिग्री
गीमहुन नाक्षमगीं ॥ ध्रु ॥ ॥ नामक्रम लालयह्

कीकाल ॥ ॥ गीवज्रगाजिनि हेवज्रनाथा२ प्रियव
ननाथम दहिममाता ॥ ध्रु ॥ विवधिन्नमहानस महा
हवज्रनिया ॥ वज्रदविहनिया ज्ञानध्रुनङ्गान
॥ ॥ उर्द्धनाभिप्रिदल कमलसेयांला२ दहिविला
स जवनसेगादिया ॥ ध्रु ॥ गीजधिन्न पीच महास्

खखोल्किया२ ॐ ब्रह्मिनस्वाहि· वाग्मिद्वि ॐ
सर्वगुप्तप्रसाद· चतुर्भोगिषक· प्राणेश्वरि· हंसा
नसमूढा ॐ सागकेक्लीं कालाग्नि२कीकाल
वदनेधानमूली· वाराहिद्वि· त्रिनयननकोमी·
पिंगलकेश२ अथमशुक्लय· विरूपालधनी·

सुपनशुक्लय· खड्गहस्तेधनी ॐ नमामि२
दक्षिणीमहिमासनी· सकलब्रह्मि सिद्धिप्रदाय
नी२ विघ्नमाशिनी· विघ्नजननी२ दीनदीनतव
नाथाननजिधी· मत्सरमानमर्दनी श्रीं
मालामन्त्रमम· वह्निसमदहा· ब्रह्मलिताणिनाहि·

नक्तमक्षौद्रशीतशीतीकृतक्षारनिदिग्धकुलत्थकालशालशिक्थकलसहाया एवत्रयः खचिनाशितकाशी यवसत्यसनग्रहिलाभ्रमिक्रिश्रकिमकिलदायनीदधी कन्मश्रीवाताहीगतमन्न ङ्क ॥ (२) ॥

ॐनमः श्रीवज्रसत्त्वाय
॥ अहंगंगबल-कनकमहिमय-नानाव
र्णना२ प्रज्वलिता२ वृत्त दीपसंगसमश्रमत्र
माऽ श्रीवज्रसत्त्वगुरुविजयिमा ॥ समत्र्कीवे
नमहिकिनगसत्यत्रा-लक्षत्रस्त्रंविनाजिता२

श्रीगुरुलक्षनसहगनाथ-त्रस्त्रमंडलनिर्मानया
मि ॥ प्रथमतत्र श्रीगुरुमंडलंविना-वज्रधक
मलणिप्रधत्रिया२ यंकारजाता-पूर्वदिहा-नं
कारजाता-जीवाग्रीप२ लिंपत्रत्तंडावलिचंड
कुलकुलवं-विविधिवनना सेपूर्त्त२ याउपग्रीप-

[illegible]

नाडपबीय॰लाडपबीयव्वाउपबीय ॥ गऊनतना२
पृत्त्पवनतना२ श्रेष्ठवनतना॰ स्त्रीनतना२ खवकुन
ल॰मलिनतन॰ वक्रुनतना॰ वासर्वनिधानसेपू
र्ण ॥ १ ॥ [illegible] ॥ श्रनिल
श्रनलजलओवनमाड॰ मेनमेतलवक्रुनायया२ व

रुपेजनसन॰जानसयना२ पनिरनिहनूत्ववनाया
॥ [illegible] ॥ तकनहमश्रालिगल
हन्वमलयिया२॰वक्रुवानाहि॰श्रालिंगल॰ हेवन
वलयिया॰ कुनानवीनवीनछेपन॰जहिजहि॰नाहि॰
नाहि॰मस्तुगमसमाने॰ सनहनहर्वदववक्रुवाउ

हिंग्रीलंखनिमहाकाल ॐसूत्रणिछिनवज्रस्वाहा
२ कनकसूपमणिसनसविनघट पीवपल्लव
उपलोरु पीवास्तनपीवसनपीवाभणि पीवश्री
हिमीत्यर्थदकं लाजाम्रजाहवीकृतसहिमा वज्रा
वार्म्मश्रीत्रन्यास शक्तिनिलामारवीजत्राहासूणिनि

वीजबीजखन सेहा २ सगुरुवजल्ल कलथ वं
नीं अरिमासरवफलदा गुमहा नमस्फो
ग्रसंसरवीजमीतलाकान ह्रानरास्फेत्रसहथा
कूरनि
रीजन पीव ह्रानस्वरावर कैकानकनवीजसमूर्त्तिना

निवासितमाकाशाक्रवमासकिंसत्रसंदत्रिनवशो
वना ॥ ॥नगाजिरश्रीवासुनिनाभि·वक्त्रोत्रुस
क्तमगादर्वी ॥ ॥शालीष्टपदगाषड्हिमानस
नस्थित·मकमूरवत्रिनयन·अत्रधवर्ष्ट्र·अस्राद
गवाक्षनिशीद्वय·कनवानगानजप·शितीमद्व

अ॰ दाशीकुगवः पत्र·ध्वजगजाधीश·वज्रवत्रद
कत्रथमस्थ॰ अपत्रउर्ध्वगुजहृत्कमनु·वज्र
वीथस्वङ्गा·कमितल॰ शिशूलमुत्रवज्रवाण·
गनयीगि·तदनुक·मात्रअ॰ उंहुंहाङ्कीहकात्रहत्रि
गवर्ग·गुजत्रमृगाकात्र·गवयीगि॰ गवकत्स्थम

ॐ त्रिजगज्जननि मातः शुद्धज्ञानशिवप्रदे सकलाकुलसंभूते
श्रीचक्रपूजनिरते मादृग्जनस्य ॐ
मातः सकलसमयचक्र सकलसंपूर्ण चक्र
त्रिजगद्गुरुचक्रवर्तिनि ॐ

दिव्यांगिनीकान्तविलग्नगात्रे सदैहलीलप्रभवाग्निदुर्गे श्रीचक्रसम्राज्ञि मुखेसरीपदं नीत्वा॥

ॐ किंकिनीलालसवेतवाहनरूपिणी अणिमासिद्धे
सिद्धात्रे कामाक्षिकल्पितसिद्धदेवि दानपतिये
गुरुमण्डलनाथे योगयोगिनीमातः समस्तसिद्धे
सर्वज्ञानशक्तिनाथे ॐ
जीवन्मुक्तिप्रदे सिद्धात्रे समस्त

ॐ विघ्नहरण दशादिग्दंडबल भूतहरण
दानपति विघ्ननिवारणाय ॐ हूं हूं क्रीं क्रीं
ग्रस बलिदानदहा दानपति शुरुवाणाय
ॐ सर्व वेताल दक्षिण मसान क्षेत्रपाल
नाथ जिनआज्ञिया ॐ डमरू समाधसिद्धि साध्य

ॐ वायिमानवडवक्त्र आज्ञिया ॐ हमाधिगा से
वत्रमार कालवक्त्र हवङ्गविध्वंसालय नानाव्याधि
हरण शाकीनीवेदभंजिया वायिमानवडवाज्ञिया
सिंहनादवाडिया ॐ डमरू बाडीया ॐ सुवामिनि मे
सिद्धिं कुरु ॐ डमरू बाडीया ॐ सुवामिनि मे

यान्त्र जालेश्वरिपूजाकर्मणि जयिजा वाग्मिनी च
ऊर्ध्वकेशिन्यादियान्त्र ॐ
नमः कंकालाकालाग्निरुद्रधनञ्जयसाङ्कविसखड
कालाग्निरुद्रा ॥ कंकालाकालाग्निरुद्रधनञ्जयसाङ्कविसखड ॥ धवलस्त्र
सेखड्गदण्डधनञ्जयसनदसुसाहियकालाग्निरुद्रा ॐ

धैदज्वालिमालिनीजालयन्त्र वज्रघेअलूजालयमूर्त्ति
ॐ मायाविद्महविन्निनीजगुह्यहृदियवज्रसखेप
त्रमेश्वयन्त्र ॐ ॥ जालहुंकमालि
नीमाङ्गिरुजिनधातुकनैऋतकचगुह्यमूर्त्तिजालेहुंमा
धीवज्रानर्दवज्रागुह्यवज्रजा वृद्धधर्मजालयवज्रजा ॐ

मनोहरशयना · वेणुसनवज्रडमालिया · खा ञि
मकुसुमसंकाशधारीत्रा · सनूपुरपादवज्रडम
लिया ॥ वामकर्णोत्पलदक्षिणकर्णवज्रिनागन · म
कुटकुंडलिया · वज्रकंकणकेयूराहिवज्रमालि ·
ग्रादिग्राभरणविचित्रशोभिया · सर्वमीउलमा ·

डड्यवज्रनीलिनीलसंहारवपुषिया · कन्हासीह
वक्त्रविचित्रनीलि · अनङ्गनाथपदे · डमालिया
ग्रथित्रथित्रनङ्गाग्निवज्रहेरुके · ग्रवधूवज्रालिंग ·
कालिया ॥ लङ्कानेक · महाद्भुतग्रलयिया · वृक्ष
जाकिनिवज्रकालिया · कन्हामहावज्र · शिरव

नकुलमिश्रा गवि गुरुअन हाथिआ सादिन सै
ान निन्दमजानि घ्रहमानिहन वन्दनथिआ
" " थिअ
विनाशिमछलमाज स्थिरिज्ञानी दमन्त्रशिक्षा
वज्रजात्राहिंसालिंगसहेवन लानानिमणाक

लाः ब्र नील व
र्वणुर्वक्रजातिमूखत्रिनेत्र पत्रमानेदमन्त्रशि
क्षा विश्ववज्रगर्ज्जवेदजटामकुटधत्र हाड
सान्नधस्थाभरिणा वज्रघ्रि०गजचर्मतमनू
खर्द्दागभन विनमानेदमन्त्रशिक्षा कन्नशिद्धा

लम्बनयुग्मशोभन त्रिशूलखट्वाङ्गविभूषणा ॥
दिगम्बरि दिगीकाकाऽधादि जगन्मातरि सहजा
नन्दमूर्त्तिधरा नमामि श्रीवज्रभैरवन हृत्सु
खवरणप्रधानाधिष्ठाता ॥ ध्रु ॥ [illegible]
[illegible] ॥ नमामि जगन्मोहन श्रीभैरव हान

डाकिनि कालिकाला इन्द्रियहरणकारि भवबन्धु
हा हानडाकिनिपरमाध्यात्मी ॥ ध्रु ॥ [illegible]
[illegible] ॥ दहिनकनडा नवानअनर्घ
न कुवरणवज्रकपालधरा वज्रघोरत्रिशिला
वनहरि ब्रह्महाकाधजगन्नबीजा ॥ त्रिशि

षिमात्रबल षिभूविनाशन त्रासि हिंडिबत्रप्र
यनि हनंगुल वैणुनिबंधन नाउन मावयज्ञ
मानत्रयेंगु ॥ प्रणवबजपन मागुन् हगानि
णवेंगुलवेंगु त्रिपूध्यत्रदेउजनम२ क्तमाम कु
यिकत्र त्रादिचूडपत्रमठत्री ॥ ध्रु ॥ ॥ ॥

नवलप्रलय मुत्रत्रेपल्लव ॥ नील निवासे वटुमावहिमे ॥ कीर्त्त प्रदाप्रभनिवशुभदि ॥ मने जप नामकनीप्रिय ॥

नामनामकनि ॥ गालमा ॥ ॥ कमलविकाशिन-१
सिंहिठासन कुमुदप्रियवर्शिन दहा२वनु
नवदनकुवलप्रदलासन नग्रप्रकाशिना ॥ ध्रु ॥
नमाशिक्षा ग्रासहासमुखी सकलगुणनाम सुनयु
नु ॥ ॥ कमशिदहन हानप्रकाशिन सर्वहृत्तानि

विवरणम्॥ ॥प्रथमकलशः॥ निर्वज्रघं० मु
द्रामालिंगसंज्ञिता विनीयोकुंभमुद्रां गृहीत्वा
ह्रूंनमो वयुर्थखेप्रलयसूत्रधना॥ ॥ऽहंयमु
जघाणगुह्यनमर्मयाम वयुर्थवामधृक्पृक्का
त्रानलमकूटणिअप्रकलिंग किल्बिषनाशनत्र्

विवरणम्॥ ॥निर्बुद्धिबुद्धिहाँ निमिनरनिमा सर्व
ह्रूंनमोविवरणम्॥ ॥ऽहंवरणगणरणमामात्म
मायवजंजन्मनि॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥हसिंदंवस्मानन त्राजीवलोचन दुर्ग
तिणात्रणकंजासन॥ ॥ ॥

तविधिना ॥ दक्षिणवनदक्षत्र वामकमलधत्र विम
लनयन तिलोचना ॥ त्रिभुवनव्यापित सत्वऽत्रानि
या सप्तत्रमनानथ पुत्रव्यापिता ॥ सत्रनत्रयजुग
ष्कर्किनत्रस्तहित पूजितलग्नध शिवत्रनिमा ॥ नत्र
कर्तिर्मकत्रीत्र विकासिनदामा ऽत्रनि२गुक्तगत्रम

सिमा ॥ ध्रु ॥ ॥नागन[illegible]लना ॥ ॥श्रीकक्षा
लमित्रि भुवननिवासिन श्रीसमिताखवमोलिधत्र
॥ ध्रु ॥नमामि श्रीलोनपालिलोकत्रन त्रिभुवनव्या
पित सत्वसमाना ॥ ॥मणिमयभूषित पत्रत्रऽत्रा
त्र त्रकवदन कमलासना ॥ ॥वेगत्रागसीमन त्रनुकूत्र

[illegible] ॥ वामनासिनेत्रि विघ्नविजयमंत्रजाना ॥ ध्रु ॥
[illegible] ॥ पवनज्वलननीलम
णिमौलिगंडपाशिकनकाबलमवधि ॥ ध्रु ॥
नौमिश्रीवज्रांबनगवप्रदकमले [illegible]

[illegible] ॥ कालिकालिमालीढवनस्थ वपुर्मो
त्रमर्दनरवरुग्यहस्तमा ध्रु ॥ वदवदन दहनत्रय
न्नघनत्रस्तदासित्रिवत्रवत्रमा ध्रु ॥ लिख लिख
साईनिलाग मोडितामत्रल कुंडलकत्रधा ध्रु ॥ जनक
पदीप उर्द्धरिवमाय ठाणकाटिघिलायउकत्रि

ध्रु ॥ वादिनजमद्भंजनि तरुवर्तीरा २ गी ध्रु ॥ नवपा
त्रिशूल ध्रु ॥ सत्रुंजयमंडनसकलसुखदद २ पीडहरम्
त्रिनयनजोटकजोगिनी ॥ ध्रु ॥ कनकनिसत्राजासनानिन
ब्रह्मिणा २ सद्यहानननंजिनमालालीविणा ॥ ध्रु ॥ सगुरुव
नथ २ सकलकथनह २ लनानिसुधारुर्वसेवनगीत ॥ ध्रु ॥

गानन्द २ कनंदलजनि ॥ ॥ सकलजगगुरुसेवनवी
ना २ सनमकनूहलविनासुखविल्ल ॥ ॥ नीवन २ ध्रु
नूलधरणी ॥ ॥ विविधविकलविनागनन्नृत्य ॥ ध्रु ॥
दविलसहिंयुक्त नीतिनदहा २ एवस्यहन्नल विल
लविलोला ॥ ध्रु ॥ सकलनिघनहीमतिमतिन्न २ गन

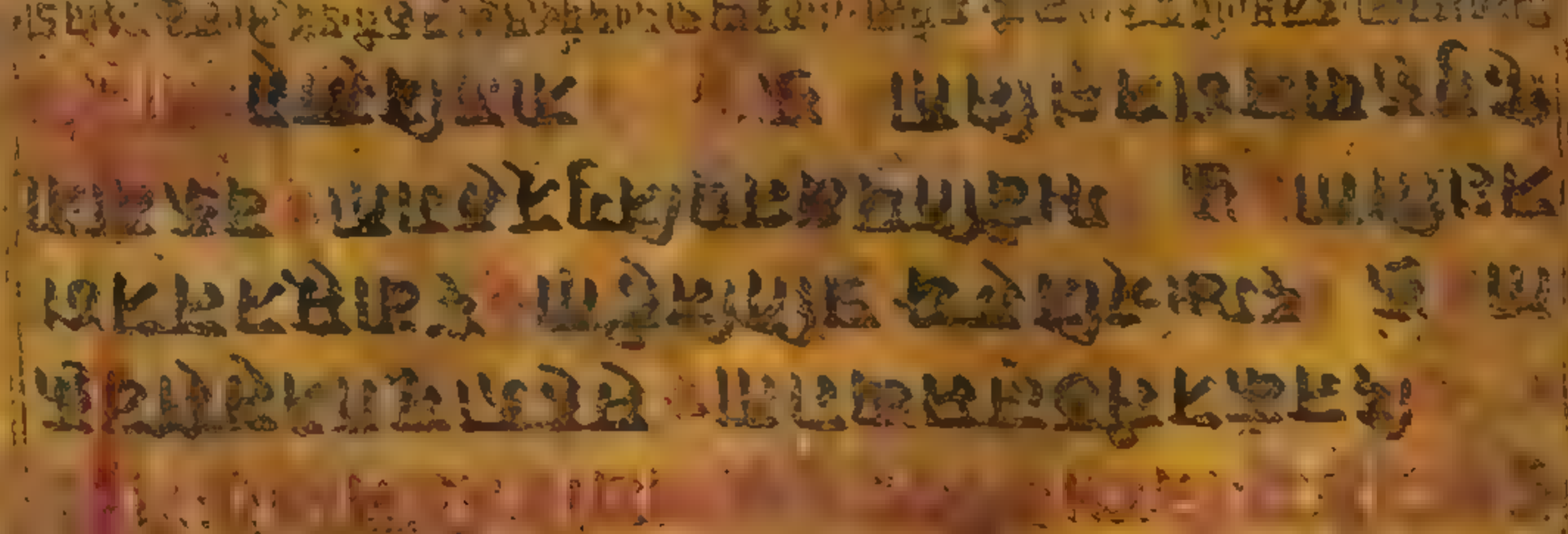

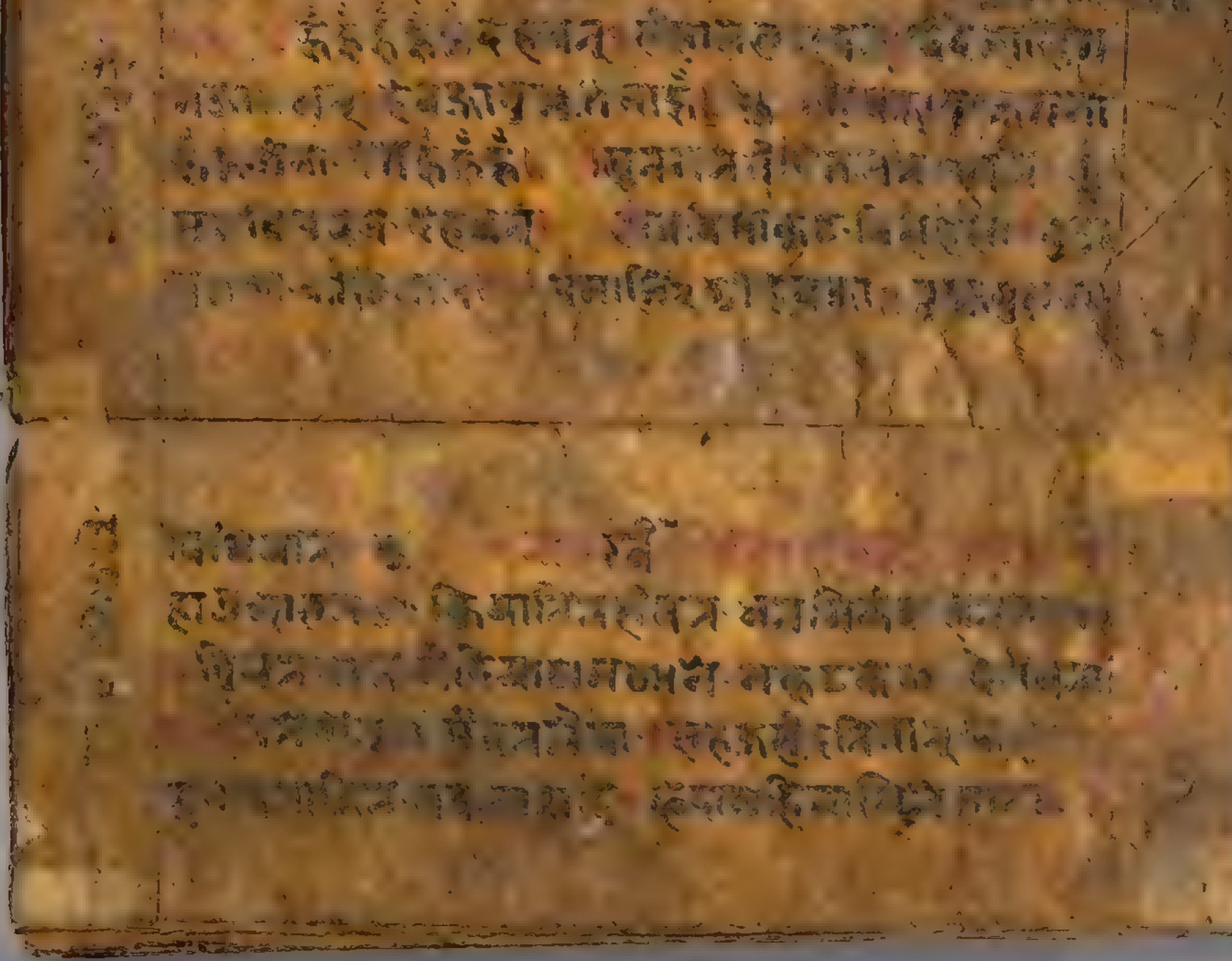

वसन्तमाटकाख्यप्रबन्धः

कैरवदलशयनसुखदमनिशम्
कैरवदलशयनसुखदमनिशम्
सा महासुखमनिशम्
न लभे विरहेण बाधते मां
न लभे विरहेण बाधते मां
सर्वगुणकलनमनसा सहजसुहृदिव प्रेम यामिनि

कथमपि दिवसमशेषं सहचरि सा गमयति मनसा
नीलवसनमिव विततं सकलमपि
गलितजलदमिव धवलं शशिबिम्बं कलयति
लघुलिठमिव गगनं वाञ्छति निकषोपलमिव कृष्णम्
स्वदृगिव कपालमूले कज्जलमलिनं

कुलालुरेश ॥ मानमित्रनादियाद्रिनमाया · सहस्रलम
वमलल्लीना ॥ बाणत्रस्कभूतवादसहाय्ये बलियाड
नवजिनमाला ॥ विश्वकुलिशर्दृश्डरुटाङ्गा · व्या
घ्रचर्मपट्टमुद्रा ॥ ज्वालीढत्रमालज्ञ · वामपित्र
ऽन · कालित्रिदिनमुद्रा ॥ नीलहस्ति गलाहितकर

कामय · चडमुखत्रिविकत्रानूत्र ॥ कृतीगवीरवी
रेष्वरनामक · त्रिनेत्रमहावीरवीरा ॥ कन्हगहनाग
वीरवीरेश्वर · कुरुकुल्यपरसेसानूत्र ॥ ञ्च ॥ [illegible]
[illegible] ॥ द्विभुजं द्विमुख · त्रिनिनयना
॥ मकुटकवादिविना ॥ ञ्च ॥ [illegible] ॥ वामकरा

नमोऽस्तु ते ॐ ॥ ॥नागनाथाय नीलनाथ ॥ ॥पुरुष
दनानामकूटपालिकाय चतुर्भुजखड्गधृक्कपाल
धारी ॥ ॥नागनिधाभिकृष्णवर्णमनन्तवस्त्र २॥
धरनरकालमनिधूनितश्रान्ति ॥दक्षिणश्रीगणपति व
नमोमहाकाल २ नगणमीतलमाऽऽ अङ्कलिनास्थिता

॥ ॥ष्ठिसेहानमाया विधविधाधिता ॥ अङ्कुलपवज्रा
धि इनिनहनश्च ॥ ॥वज्रधनग्रहाद्रि दासहनधिया २
पुरुषनमौलि सिद्धिवनदाता ॐ ॥ ॥नागनाथाय
नमोनमः ॥ ॥ पूर्वदिगास्थिता हेलासनिदेवी २ वेदव
नीदेवी धनिताधिगल्ली ॐ ॥नागनाथाय नमोनमः

जाह्यमानस्य मिर्दलहृदयाऽगतऽज्ञानता विरुद
प्रदाता" "जनम२ सुगतचरणकमल तुझसम
रणनम माऊप्रदाता" ध्रु " "नागलेकद लाल
अर्कोकाल" "तीथिरिनाऊ मनूनाऊप्रसाद२
हल्लोड्डसमरिथ पलिमाऊ" ध्रु " एवंमीथिनाऊ एव

जावनीतीर्थ२" "वर्धनादधी पादांवुऊजाता२
धर्मधातुवागीजयत पाप्रनिदिनं" ध्रु "हरिगुनूथागे
घदजावर्ष२ त्रिभुवनदया अलम अहथा" ध्रु "चल
व्रजमंजे उंद्रमुखलोकपाल२ निवसंनिजलन्य
हरिगुनथागे" ध्रु "रविसाईजाती व्रजःतीर्थःनं

वादन नृपाधिपति गणवन्न ॥ तीव्रपदम्रति
नाथगदह नकवर्मिलाङ्क्ष २ नलाहनग विन
घिनदेहा घाघनमनोमला ॥ ॥ क्रवाल गि
नि वननिवासना सर्वसत्वहेरिंघ्रात्मा ॥ जन
मर मानुगणपतिथानगो नहिनतसत्वकलय

यनि ॥ सत्गुनूचनगे ठिनगतधविया गव
घिदासमंतगीता ॥ ध्रु ॥ नागहेनय ॥ नालनडुंक
ल ॥ धर्मनाजठासन यमनाजवाहन मानसंगास
न विघ्ननिधानग ॥ ध्रु ॥ अमीनकवीन दशाजाधवीन
सखादधिवीन संउनकीन ॥ खगपधवग कुंउल

कर्णी·रौमत्रिनयन·वज्रशृंखलन॥ ॥कुलिशाम्रज
न·तर्जनिपाश·धनचतुः कम·ज्ञाटहास॥ ॥ब्रह्मं
तकघ्रहति·वीरसंहत·गदावीरसेन·वीरभैवनस
हित॥ ॥पद्मांतकवीर·विघ्नांतकवीर·त्रैलोक्यवि
जय·ज्वालानलतर्जि॥ ॥हयग्रीववज्र·धनमाश्व

वज्र·उष्णीषवज्रि·जीवनाजवीर॥ ॥अष्टलक्ष
नहि·अष्टैश्वर्यसिद्धनहि·कुबेरधनवचनहि·सततीर्थ
नहि॥ ॥सनुगुरुवचनहि·मस्तकधनहि·सनाभि
समृतवज्र·यमांतकगीर्ति॥ ध्रु॥ ॥ ॥ ॥
नागलेश्वर॥ कालचक्रडंकार॥ ॥चैत्राग्र८

ठामठमन॰ ठीनसङ्गा॰ वासविनाम॰ गर्जि॰
मसघा॥ ॥गङ्गमठामठमन॰ मठीमकङ्गा
पूर्णिमघा॰ तङ्गकनाम॥ ध्र ॥ठ्ठ्रमन
ठलमङ्ग॰ लमनमङ्गिवायुनाङ्ग॰ दिगेविदिग
वलिग्रङ्गिनु॥ ॥ग्रछठामठमन॰ चक्रतीठा

वीनठवज॰ नाचधिसहजा॰ नन्दन॥ ॥कीक
सिधाना॰ वर्ष्णिमघा॰ ठालीकला॰ कर्कोट॰
कनाग॥ ॥कलंकरुनवा॰ वर्ष्णिमघा॰ सनसि
ठलाग॰ चूनकङ्गा॥ ॥ग्रहाहासा॰ ठीख
पालनाग॰ घुचंतमघा॰ वटमहीचूडा॥ ॥ल

श्रीवर्ण कनकप्रभा घूर्णितमघा महाघ्रं
नाग॥ घोरघोरतनु प्रकटितमुखा ल
लनलाग घूर्णमघा॥ ॥किलिकिलिलावा

सर्वनयुक्ता कुलिकनागा वर्षणमघा ॥ द्वादशास्त्र
जा द्वादशगुणना वडवामुखदना द्वादशनयना
नमस्कर्षणा नामहृदयनत कालिन्नाशिनि द्वाद
शिदनाग ॥ ॥ नागमहाबलिमहाकाय ॥
नीलकृष्णा प्रज्वलितकिरणा उर्ध्वशिखलकेशी

॥ श्रीमाताकुलकोटी श्रीनिलायनेभ्यो नमः ॥ श्रीमालिनी
हार्द्र-मालिनीमहासमाधि ॥ आठवांपुढे कौलतेजप्रि
याय धृ ॥ महाविरूपिणि ब्रह्मग्राहनलक्ष्मी व्याघ्रचर्म
निवासिनानन्तचित्रमालाय धृ ॥ श्रीगणेशाय नमः

प्रसन्नेश्वर वामग्रिवउग्रनेत्रा वपुर्मित्रमर्दिनी धृ ॥
नानानेत्रमालिनी ॥ ॥ एकछत्रपाल दिगंबिदिगं
बरवनि श्रीमित्रमात्र वपुनघनेत्र गगनतलमत्र गवा
क्षनदुनकात्रा गगनधामानघ्रीणवाक्रियाय धृ ॥
[illegible]

[illegible] ॥ पूर्वकूटत्रयविलसदङ्गि
णवपुरवन विघनमात्रविघनखीङ्कियात्रे वज्रता
किनि घात्रवमालतताकिनि वीजालताकिनि वृत्र
दवी॥ ॥सिंघिनिव्याघ्रिनि शैवूकउलाकिनि खड्गा म
पत्रतूणीकुठाहस्ता ताकिनिडीघिनि वउसिकेवाकि

नी घात्रलेवादत्रकाठावहनी॥ ॥डिनडाकिनि हवि
ताकिनि गुह्यघसिठात्रहा वीवमुद्राखाहनहा खजगी
त्रा२खवृष्टिटक वज्रधं० खट्वांगघाठात्र घ्रहामाम्नि ह
विद्राज्ञानंजत्री॥ ॥ ॥नमोऽस्तुते॥ ॥
पूर्वदिगीचलवीजाग्रहामजानो हविद्वेक्षयवि हिंसा

ललिता ॥ ध्रु ॥ नवसिंहासनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥ कामेश्वरी वज्रेश्वरी
भगमालिनी नित्यक्लिन्ने भेरुंडे वह्निवासिनी महावज्रेश्वरी
त्वरिते कुलसुंदरी नित्ये नीलपताके विजये सर्वमंगले ज्वालामालिनी
चित्रे महानित्ये ॥ ध्रु ॥ परमेश्वरपरमेश्वरी वज्रेश्वरी
क्रियादेवी त्रिपुरवासिनी महाभैरवयोगिनी ॥ ध्रु ॥ सिद्धयोगेश्वरी
महाडामरी योगेश्वरी महासंकेतमालिनी कामेश्वरी कामेश्वरी
वज्रेश्वरी वज्रेश्वरी सर्वसिद्धिप्रदे वज्रविद्रावणी वज्रशृंखले
वज्रवाराही वज्रजांबुनदेश्वरी ॥ ध्रु ॥ वज्रमालिनी महाकाली
सरस्वती रौद्री चामुंडे महालक्ष्मी विद्ये ॥ ध्रु ॥ पूर्वदिग्मंडल

गमनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥ दक्षिणदिग्मंडलगमनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥
पश्चिमदिग्मंडलगमनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥ उत्तरदिग्मंडलगमनाधीश्वरी
ऊर्ध्वदिग्मंडलगमनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥ अधोदिग्मंडलगमनाधीश्वरी
सर्वदिग्मंडलगमनाधीश्वरी ॥ ध्रु ॥ सर्वविद्याधिपे सर्वविद्यानायिके
सर्वविद्याधिपे सर्वविद्यानायिके ॥ ध्रु ॥ सर्वविद्याधिपे सर्वविद्यानायिके

णसकलचिंतामणिकल्पवृक्षकलाल ॥ ॥श्रीमद्दनाथदत्त-महावीरनि
र्वाण २ वैद्यहासखडजात्रि-नागावासस्थल ॥ क ॥ ॥
लालि २ श्रीसिंहकुमारी २ जगदीशचन्द्र-कृतगुरु-पू
जनार्थचिंतामणि ॥ ॥पूरुकचनुकुल-पत्रमगुत्र श्री
२ श्रीधर्मभगुप्तमन-नमालचिलषिता ॥ ॥ ॥मना

अजगत-निरीक्षनत्रया २ सर्वेभ्य सुविधानदधीक्षिग
निरीक्षिता ॥ क ॥ ॥ गगलालि ॥ लालकृष्ण ॥ ॥ श्रीवर्ण
वनश्री-सिंहकुमारी २ जगदीशचन्द्रकिंजल्कसम-कीवनद
हा ॥ क ॥ ॥ धरणीसिंहजगत-त्रिभुवनजाणिग-पद्मपत्र
सी-कोमलदना ॥ ॥ मी कुलकुंगन-दहिनकमक्षनि-

यानवृक्षकधनस्तम्भगुप्तनामा॥ ॥दक्षिणवामधनुःधनु
स्तम्भधारिणि॥वज्रदण्डे॥वामप्रहारा॥ ॥ऊर्ध्वाग्रेप्राणान्त
ऽग्रमादिनिहृदया॥गुह्यस्तमन्त्रहामम॥सूर्यागिगमना
॥ ॥ ॥ॐॐसलिलेसलिलरूप॥ ॥पूर्वदिग्स्थितस्त
म्भेहारिणि॥इन्द्रोग्निरिपू॥सेनास्त्रकात्रिणी॥ह्रूंवर्मणि हः

साहस्रप्रमर्दिनि॥खात्रकपिलखड्गधारिणी॥ॐ॥नमोस्तु
ते॥महात्रिशूलादिनि॥रक्तदंष्ट्रिणि॥खड्गखट्वाङ्गि
॥ ॥सितवर्णस्त्रिणेत्रे॥विष्णुकमल॥वज्रदण्डैकमन्त्र
विजयी॥ ॥दक्षिणदिग्महामात्रादण्डी॥महामायूरि॥हेम
प्रभा॥श्रीकान्तमहा॥ह्लादाह्लादा॥वैनायकधारिणी॥ ॥

[illegible] कनकवर्ण नलमकुटमणि ललितासन
पद्मिनिइहनही इडाभाग दक्षिणनाकेश्वर वामनाम
सि ॐ लाद वी कैवलजलेड नीलवर्ण वामवनुग ॐ
लंवर्ण विधिहेतली कलिमलिनी सर्वेइदथी ॐ श्रीमनि
[illegible] नानन हुमुखज पमाकजादि हकेशनि वामन

वी सूर्यमणि इड दक्षिणनाडेइ पद्मिनि धनमा वेणु
दम॥ ॥गुफा गुफा सजखणिदी वेइलीनाम माक
यदा इसगनमेजल चूकिये जुगुनिलूगुनि इवीगुण॥
नागललित॥ मालचप॥ ॥वनवनवसेवना वीतवसे
मकमूत विचित्रहनन लषहीया इ कनकलड

घट·वामकनधनी·दक्षिनभुजथभुजा·ठवनोवना·
॥ ॥ॐवज्रीतवज्रं लानसानलभलू·ॐवज्रदटनि
षु·मदनी२मदनीवज्री·तववज्रवीधरं·विठवलनन
लयन·निसाचरवंतु२७ॐहिमातनि·ॐइमर्घपू
जा·आकनवज्र·लखपूजिन२मंडलकर्मस·साधय२

ठलाधय२ॐहूंफट्स्वाहा २नोविशीधनइहिरु पादा
नविंद·विविधिउपहान·पूजयामि२श्रीठनसिंहमो
लि·मानवलनंजना·दविशीवर्धना·मंडलालिखा
मि२हनुमचनकनल·छिनगतधानिया·गनं
तिलाचार्य·संघसयना२नमिठनधन·विधितस

कलदे सदासहिया संसानतनं॥ ध्रु ॥ ॥नाग
ललित॥ तालरूप॥ ॥आदिवासन्न यनलब्धी
आहव मंडल संस्थित पर्यापि२ सकलनिष्ठाधिपति
रुअहिंसं जिनाक्रमी वडआलेठवनी आउस्थावि
ई॥ ध्रु ॥ ॥नमामि२श्री महादेनावलवृद्धि त्रिरवल

पालिनं मुक्तिग्रहं॥ ॥वदलपन मलविनमदे२अ
पन पीतकृष्ण लोहितमदे॥ ॥अगाध ठाधि धर्मच
क्रघवर्तिनं२इमनिगिनि रुद्र सिधनी॥ ॥हीपूर्ह्
वृद्धिदान पुस्तकधनयन२वाग चापाली इःवहन
॥ ॥ब्रह्मपाय धर्म चानि(ति) वज्रघं०२धनिमं जिन

वनि॰ शुंडवदनं॥ ॥सद्गुरुवचनं॰ मस्तकधरनं॰२ वाच
कंशुद्धहर्ष॰ गीतवनी॥ ध्रु ॥ ॥नामठंगनमालश्री
लालचंद॥ ॥श्रीरामगीठवनवन॰ विकसितंहासा॰
पनि॰२संस्थितहस्तासन॰ कुंदधीधुवनी॥ ॥पंकानन॰
कुवलय॰नयन॰ध्रकाशितं॥ मणिमयमकुट॰पंच

तथागतं॥ ध्रु ॥नोमिश्रीजनपचन॰ मीशधाजीश्व॰
वीहरहानिधिं॰ ध्रेलोक्यगुरुं॥ ॥प्रथम॰ सध्यकन॰
धानित२वेद्धनकूमनि॰ गिनिवन॰ नाठानी॥ ॥धाम
कन॰ धन॰ ध्रह्मापुत्रकन२ संपूर्ण॰ धनिहान॰ उपदं॰
शितं॥ ॥दहिन॰ वामकन॰ धनठान॰ धानितं२ ध्रनम

गननमक्षत॰कलष॰खल्लिनी॥ ॥सतुषुरचनमी॰मल
कथनमी२गदीनि॰ठोक्षहर्ष॰मंशधाषगीती॥ ध्रु॥
नागगुंजनि॥ लालना॥ ॥विद्रुम॰मुकमुख॰नक॰
वदना२नगनमकूटकठा॰त्रिनिनयना॥ ध्रु॥
नमादवी॰भूजाकिनि॰वि॰शंकरननी२त्रिभुवन॰

आधित॰शिनहानदायनी॥ ॥दहिन॰कनवज्रि॰वि
लासिनदधनि२वामकनाटक॰चतुर्भीनसविता॥ ॥
तनशिमंडलमा॰ उदियानगमने२नतन॰पून
वन॰सप्तसंप्रवि(ठा॥ ० ॥त्रीविद्याधनीदवी॰सून
नमस्तंदिला२सकल॰आद्विसिद्धि॰दहिमगा॰ता ध्रु

नागकन्न ॥ नालअर्धंकाल ॥ ॥ श्रीहेवज्रनेनात्मा८
वि॰त्रिहवननाथ२पंचशिनआदि॰ पंचवर्णदहा
॥ ध्रु ॥ नमानि२श्रीएमेपूकाग्रचेपे२ श्रीहेमूकगु ध्रु
वज्रा॰वज्रागामिनितूल्यना ॥ ॥ पूर्वदिगाधिप॰हेन
वनीलवर्ण२दहिनपात्रआनी॰ वामविंशधना ॥ ध्रु ॥

घर्मनिशेनीवौनि॰ वेनालिनिदवी२ गवेंमिनि॰
नावर्म॰ हूंकानलीवज्रा ॥ ध्रु ॥ ॥ नागमधूमन ॥
नालहर्षमान ॥ ॥ प्रमादिनआदिदशा॰ समिसंदनीस
न॰ मनूमंडलतन॰ स्थितलयना२ घादशाभुज॰ चउ
वदनसंठाना॰ वज्रानाहिलालिंगना ॥ ध्रु ॥ हूंहूंहूं

दशदिग्भुवन॰ मानसजनके॰ धाधिया॰ २॥ ईंहजा
लिंगण॰ सहयसंगश॰ नाचपिदान॰ संवरनाया २
कृत्तिशीर्षगज॰ चर्मविलुंजित॰ कनतिजमनृत्रि
शूलधना २ मालिमूर्धस्त॰ कपालखट्वांग॰ पाश
पनशुव्रक्ष॰ शिनधना २ पंचवक्त्रिनव॰ मङ्गलजा

लेक्षण॰ बहुमुखानन॰ त्रिना २ शालिकालिश्यि
शालीटचावधि॰ आघ्रचर्मनिवसन॰ कृष्णतनू॥ ॥
नवशिरमाल॰ शानंतशीलंवन॰ दिव्यचक्षुत्रिनिक
रूपहिया २॥ जनम २ शानुशयविठान॰ शव॰
तिपनमाय॰ वज्रगीता॥ ध्रु॥ नागलसिन॰ कालरूप॰

धातणाङ्कुश·गीवननिनाला२मस्तवदनमुद्रं पिंग
लकणम॥ ॐ॥ नीलवर्णदंष्ट्री·कालनयिमा२नावधि
हन्द्रलहलानंद॥ ॥ब्रह्महविहन·ऽऽन्द्रचउमाना२
चउचनगचउ·चापधिमाना॥ ॥अलाङ्गालनम·हस्ति
व्याघ्रचर्म२धनहनं·ऽऽदधि·कर्पनमांवाला॥ ॥मून
नवङ्गलम·गलंगिलसंनं२हन्त्रहिन्द्र·कनमतवंत॥ ॐ॥

विघ्नविनीमदनृनिमन·दालाहरलालमूरवमादमजा॥ खर्वंडुर्दुर्गुधिव्यमुक्ता·हिंडालनागः कथिमागुनिई॥
नागहंद्रा॥ मालनाग॥ १. ॐ ह्रीं फ्रं खलमूनृनि२ली
लजीनृतलिकाजा२खर्वलंवादनत्रिनयना·शानिव
दनरंधिकरा॥ ॐ॥ खवज्रीनहालालहूंजानमूनृनि
२जाह्निलिखिलनखा॥ ॥कजानिवः मन·खड्गत्रिशू
ल·मानदर्पहरात्रिणा॥ ॐ॥ निमूलदाजजिह्वाली

मा॥ ध्रु ॥ग्रहर्घ०उमाग्रिग्रवड्डि२ग्रविज्ञाग्रिमेउल॰
ग्राग्रार्म्मवग्रिभाग्रा॥ ध्रु ॥कर्ग्हबालक॰ग्रखीग्राग्रहा
म२ बायूसेवग्रिग्र॰ग्रिग्राठाग्राग्र॥ ध्रु ॥ ॥ग्रागकग्रा
लाँजग्रचना॰ग्रालग्रँगलाग्र॥ ॥कालग्रिग्रग्रिमाउग्रा
ग्रा२मूलनिग्रकेकाला२घनकाग्रिग्रिउग्राग्रा२कनूग्रर्क

ग्रालीनग्रीग्रा॥ ध्रु ॥ग्रालग्रउकूइग्रग्राउग्रिग्रा२छिंडि
ग्रग्रहिनग्राउग्रिग्रा२ग्रहिबालखीउग्रिग्रा२ग्रमना
लाचलग्राग्रिग्रा२हलिकालिउलठग्रनिउल२इग्रग्राउग्रि
ग्राग्रिग्रा२वउहमकलुग्रिणीग्रा२कर्मूग्रग्रग्राचलग्राग्रिग्रा
२मालिग्रा ॐ इलग्रानिउल२ग्रहिबालखीउग्रिग्रा ग्रि

या२ श्रीमद्भिगकनीत२ गुजागुजन्मूनिया शिमा२
नीलसहजीगसदावशिमा२ तहिमसत्रावण प्रसमानि
मा॥ ध्रु ॥ ॥ मानमधूमथा॥ ॥ कलिगवज्ञान
ल श्रीवज्रलीवत हिकानाहृव शि जामवत्रमाली२ मीरा
हामिमत्रमीरा मीरमा पीवसात्रिमत्रमीरसहजीगु॥ ध्रु ॥

खरखलाहि२ मेलमधूरहन पीवानिमानस्त्रलिवालिना
२ श्रीवज्रआमिनिजाकिनिनामा खीउमाहात्रूपिनि पीव
आंमिनि२ कृमिनिसवीनविमत्रवन मीउल कमगक्रिलि
क्लिलामसान२ उमात्रघीलाघनि त्रमाशिनावाडिआ
ने दानवगिविद्याविनाहिमा२ आशिनीपीवधान पीवम

अगोपवसा॰ रवीगुणगणिपूजिआ२मानविनासन॰
त्रकुत्रकुसयना॰ स्त्रिमनसुखहल॰ माऊरवीए२स
र्वसिद्धिवाक्॰ ऊकूआगना॰ कमाकूमिआवार्मसीतवि
लासि२मतमाकणिहल॰ पाहिमसा॰ सनूऊत्र ह्रान
सख॰माऊप्रदाता॥ ध्रु ॥ ॥आगधर्मऊसिं॰मालाग

॥ ॥उदिगरवन॰ कमलासनकिनधि२ललितपदा
यत्रसुलसा२निर्मलहृदयकन्हलमयनाथा२दहि
रसवत्रप्रदाता॥ ध्रु. ॥गुरुऊर्द्धविहगमहगगत्र
॥ ॥त्रिरवनव्यापित॰जगतउद्धारिया२प्रणमामिवृ
गमलोकेश्वरा२कजकत्रानमनि लाजविलसिता२क

नकलग्रवणाक्षि२वामकमलधरः वनदशनतल२
सहजमानदमूर्त्ति२सनमत्रकुलिनगणपूजिमा
नेलालावनसेवितशिनगानधनिमा२शिशिनधात्रखल
माकुप्रकाशा२दनसनघाय इःखहनना२नकवर्षमृख
नएसलावना२सर्वलकुलसंपूर्ण्ण२नलखविशकुग्र.

श्रीलिलाकमधर२मर्मभिउलसवविजम॥ ध्रु ॥ ३ ॥
नागमजानाशिखहरुकाला॥ श्रीलीलावम ध्रु
प्रवीजा वनुर्धरुव२सहगुज चसलालीहा२मुन्मासिगाघ
नलासनलस वजधीलधन नसशिन्धलाला॥ ध्रु ॥
नलाश्रीलीलावतीकविमा२शिजमाधवीलेखा

॥ध्या॥ यूथभमेघघनालिनघोहा॰ यादवलक्षि
तडलानहिजन॰ विजनाथविजवाघिना॥ ॥नक
ग्रिलोचन॰ क्रोधस्वलना॰ पनिहृन॰ दगक्रोध॰ विघ्रसे
हाना २खड्गदृस्कंधन॰ नाशसिहाना॰ वीनविक्रम॰ प्र
ग्रलिनकिनहा॥ ॥पनशुमाणधन॰ नादलदहा॰ सर्व

क्रोधवृंद॰ मादनमक्ता २दानवनागा॰ मानवदहा॰ वि
घ्नगण॰ हयनसलीना॥ ॥कायवाक्विघ्नजनमनी
षा॰ किल्विषदहा॰ निर्मलधनीता २खवरप्रहन॰
गीतगधर्वी॰ लनगुनवन॰ शिवगानध्वनिमा॥ ॥
नाशनाशी॥ पुष्पमाल॥ ॥गजमुखगिरिनंदनजीत

वमूवाति·नृपाश्चिपतिगा·ध्वजा२हनमहिमकूटा·न
ल्लारत्नमा·तत्राधिकित्रतसेकाठम॥ कु ॥मानिआनि
घ्रमानिमा हर्ष·मानिमा ह्रः खविदानत्मा२मानिमा मा
आमामसित्रारा·मिनूलमह्रः खनाजिमा॥ ॥पत्रगुवा
क्षीकूणवऋहस्ता·हिदीपालदहिनकत्मा२मूणालव

नृ·खड्गीगधत्रि·कपालहलकऋमाम॥ ॥विचित्रव
स्त्राचूलिरत्ना·ऊपाहनमिमीडिता२लीवकत्रा
लेवादत्रत्मा२·पायलाऽनिमिऽमिवाऽिता॥ ॥नत्ता
नधूलत्ता गलिता·मूर्विकमूखअगिहिदनी॥ दीना
दंपूलमसखदाता·नमालु२श्रीमत्हाऽवत्रा॥ कु ॥ ॥

॥ राग ॥ ॥ गाल भौंग इकताल ॥ ॥ विश्व हरा रह विश्व
विश्वां २ मोकांत्र विश्वा विश्व हरी रुमा ॥ ध्रु ॥ नमामि २ वामी
अंग त्रयंत्र मणि छंदया ॥ ॥ विलास त्रिकूटागम त्रया
हंत्र त्रयंत्र जिन छंदया ॥ ॥ नीलधीरा त्र त्र त्रिभवभंन
२ पिंवजिनमकूट मंत्रिलभंनें २ धर्मवज्रमुद्रा कूलिंग ॥

त्रासि २ घोलवापमि त्रह त्रवस्था सं २ हुत्रा त्रत्र नमि नी
गंवंजनी २ एंनमिपंत्र नमात्र बज्र जिनगुप्तलयनी ॥ ध्रु ॥

॥ राग कालिंग त्रिपिंत्रम ॥ ताल भौंग मान ॥ उर्द्धपाद
वसाक्रीत २ लर्मसार्मी महाजला २ गंगकाकि त्र त्राकुंगा
२ हर्म्मसेउलहीं सिंगा ॥ ध्रु ॥ सिद्धात्रवी रगालमा भं

...प्रा... २ लोचनी वर्त्तिनीश्वरी २ पातुमां वृद्ध
डाकिनि॥ ॥कमलपाणिमतालाने २ नमस्ते कमलासना २
दाडिमीबीजरदना २ दाडिमीपुष्पनासिका॥ ॥दिवाकर
निशानाथ २ वेष्टनलोकलोचना॥ मंदाकिनीनीरवहे २
मंदारपुष्पमालिनी॥ ॥हसनः सुमना वर्णा· सर्वांगीचि

हनोरुहा २ हरिश्चिपिविनाशनी २ विश्वामित्रसुप्रपि
नी॥ छ ॥ ॥नाममालाध्याय॥ ॥कनकवर्ण
देहा· चक्रमुखद्विजजा २ मकुटकेशी· त्रिलोचनी द
वी॥ छ ॥ नमामि [illegible] २ [illegible]
[illegible]॥ ॥हिंहुलद्वीपग

नि॰ ललिता सनास्थिता२ नलाट वसं स्थिता॰ अलि
खल्ल शिखा॥ ॥दहिन रज ऊ्व॰ शन आनि शिदवी२
वाम रज सर्व नल॰ ग ऊ जनास्थिता॥ ॥ग नि शितलमा
ऊ॰ वक्ति स्थिता२ ल ग शलीतलमा ऊ॰ प्रमा दिन हृदया
॥ ॥श्रीमा हिनीदवी॰ त्रि रवन व्या पिता२ ह न न नि

पृ ल्य नाशिता॥ ॥ल गगु रुवन ल॰ वज्र ल ऊ२ ल वि ऊ
वी वज्र ल॰ ऋ द्धि सि द्धि प्र सा द्ध॥ ऊ ॥ ॥नागक ऊ॥
काल ष ऊ कं काल॥ ॥ना ग महा मघ॰ गी धर्व न गा ग२
आ वज्र ऊ गाम॰ पा ताना ग ऊ॥ ऊ ॥ह ल ष न ग॰ स ग न
॥ ॥ॐ ह जी वा धी प र मि॰ काल न काल वर्ष॥ ॥क न ऊ

निविमति· उग्रमहामेघ२ हनगुल्मलताकृञ· तत्व
पालिता॥ ॥जलधरनवमेघ· जलधारामूर्षर२ उग्र
उपकृत्र· भीतिकत्रिता॥ ॥श्रीह्रन्नकवज· गजत उग्रा
ह्लाकन२ नाग कुलमहामेघ· सर्वनाशा॥ ७॥ ॥
[illegible]॥ ॥ पंङ्गागिनिदवी· त्रिरवन

व्यापिता२ विघ्नमात्र इष्ट· दर्पविनाशनि॥ ७ ॥नमामि२
देवि· श्री[illegible]२ [illegible]
नमि॥ ॥पूर्वदलगत· नकुवर्णांगी॥ [illegible]
वी· नीलवर्णांगी॥ ॥वायव्य माहिनिदेवी· सितवर्णांगी॥
पश्चिमसेवानिदी· उग्रवर्णांगी॥ ॥नैऋत्य [illegible]

वी॰ हसितवक्त्रा॥ दहनवेजिकादवी॰ क्षमवर्णा॥ ॥व
णुर्भुजङ्गकानन॰ पिवमुद्रा॥ ॥खखबीजहरव॰ न
त्रनासिदिगीवसा॥ ॥ ॥नागर्क्षात्रहेनव॥ चोताल॥
हस्विक्॰ वृद्धमनाज॰ खत्रादिव॰ मालाधागज॰ यूं
कात्रजाग्रं २ कूटागत्र॰ मध्य॰ पंकात्रजाग॰ पर्भं

ङ्कीकात्रजाग्रं२॥ ॥नरहव॰ ग्रीमद॰ माघपाग॰
सिंहक॰ लाकण्यत्रं२ सहस्रपलाग॰ सत्रसीनृह॰
सधु॰ चत्रहमृगी॥ ॥त्रष्टभुजमकानने॰ लि
त्रस्थिग्रागसिंहा॰ नग्नागं२ त्रश्वयवनद॰ त्र
माघपाग॰ जपमाला॰ सव्यत्रत्री॥ ॥वामकत्र

लोमन॰ सप्तसीरह॰ त्रिदेउ॰ पूरुक॰ धन्नी२ सा
हिय॰ लाक॰ धन्नै॰ प्रहजामि॰ दहिम॰ माजमामि॰
॥ ॐ ॥ मालम॰ ॥ मालम॰ कं॰ काल॥ ॥ नलिलन्न
नलजल॰ अवलसमन्न२ गइपतिविघ्नपम॰ ल
क्कावीजजामी॥ ध्रु ॥ नोमिणी मदार्च्चा॰ वलाकि

नधन्नै२ जगातसीन्नऊल॰ विघ्नन्नूधन्नहीं॥ ॥
मिन्नसिन्नमिनन्नविं॰ लाहिनवहीं२ सब्बसहजव
न्नहि॰ वामसहजकमली॥ ध्रु ॥ वेदवदन॰ सहस्रन
यन२ वगुर्बाहू त्रिलोचन॰ वीरिनाधन्नहीं॥ ध्रु ॥ स
नुत्रवन्न॰ मल्लकधन्नह२ एनमिसहवनहर्ष॰ प

सर्वाहिनी ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ नागेश्वरि ॥ नालञ्ज ॥
विशदपञ्चाशन्नि·सामवक्त्रवाल २ विद्याङ्कित·ल
क्ष्मबीज·सिद्धालनाथ २ दशदिग·दर्शित·न
वरहज·प्रहर्या २ सकृत्विधानित·समिनङ्गि
नी ॥ ॐ ॥ ॥ ह्रीं·नमामि· अष्टकञ्जी·लाक्षयजनद्वी २

दनवमिशुक्लगति·प्राजयन्ति ॥ ॥ दक्षकञ्ज·आप
नाला·वामधृत·कमल २ सपत्रपुञ्जवय·हृदि
सञ्जिखन्ती २ नानावाधि·सङ्गत·नवपाद·
पूजिती २ सदन·हर्षवज्र·गीतकञ्ज ॥ ॐ ॥ ॥
नागग्रहनी ॥ नालक्षीनइर्जमान ॥ ॥ सहस्रं·पलं

ॐ ह्रूँ ॐ पर्यंकासनस्थितं २ कुंदेन्दुसदृशं धवं
लवर्णं ॐ ॥ नमामि २ श्री कौलेशवीरलोकेशं
वीरेशं प्रणमे ॥ ॥ त्रिमितत्रिनेत्रिकिरीटमौलिकंठं
धरं २ विंविंगुविंस्तनभरवेणुन्नवाहं ॥ ॥ दक्षिन

ॐ ह्रूँ ॐ वामकमलधरं २ कुंदिंदुशंखं
ॐ ह्रूँ ॐ नाकुंडमुंडं ॥ कपालसंयुक्तनाथ
नवपीठं नमं २ ॐ नमः ॐ नमः कृष्णपीतं ना
शिखीवर्णं ॥ ॐ ॥ नागकलहिनुकलाल

श्री श्रीपाल वृद्ध मकूट विराजित २ चतुरंग
कंजासन पीतवदनी ॐ ॥ नमामि २ जग
लोकनाथ लोकेशी २ जगदीश्वर जगतनाथ
त्रिरत्नमालिनी ॥ दहिन वज्रवद वामधृत
कमली २ श्वेत रंग चंद्र उज्ज्वलमूर्ति ॥

जगजल निधिमग्न जनसमुद्धरणी २ विजया
दिह शिरस्त्र शनिशरणी ॐ ॥ नागकुमार
लनाथ ॥ श्वेतवर्ण वर्षमुख वीरार्द्धमस्तक २ ग
रुडकुक्षिवास सुनयदनी ॐ ह्रीं भगवन् गरुड
ध्वजासन शरणं शरणं शिखिलकंठ २ नीलिह

लहल-लोलकुंडल मंडित गंडयुगल सर्वं २ ॥
त्रिभि त्रिभि त्रिभि त्रिभि सूत्र त्रिनयन नमस्तुभ्यं ॥ ध्रु ॥
तिलप्रसून नासा मनोहर पंकजनयन २ शोभन भाल
सेंदूर बंधूजुक भासित ॥ ध्रु ॥ अथ सव्यभुज वन
दमाला २ द्वितीयभुज पद्ममाला गृहीत वामकरे ॥ ध्रु ॥

वामधृत पंकरुह द्वितीय कुचधृत २ तृतीय का
हेऽ को कनदासने ॥ ध्रु ॥ दक्षिणपार्श्व नागीकि
न शिशुले वामपार्श्व कुसुमपूरितकपाली ॥ ध्रु ॥
नागग्रामकरी ॥ मालभ ॥ द्विजराज समानन भाकी
बेलोचन इंपत्र हसत्र २ मनसी २ वशुलधन

वरदा लिनल· त्रिनेत्र· भूषित· पदपंकजं॥ ७ ॥
नमामि श्री श्री· खसर्पण लोकेश्वरं· त्रिभुवनपा
लित· त्रिभुवनेश्वरं॥ विकसित· गगनापति· हिमां
शु· मितल· अर्द्धपर्यंक· संस्थितं॥ ॥मकुट· प्रज्वा
लित· ज्योतिरुजित· वात· निर्जरदेवमर्पि· ज्ञानदा

ताचर· त्रैलोक्यमञ्जुनाथ· दशिन· बंधुपदं· कामनामन
ह· संलोकितं॥ ॥निर्गतिसहस्र· शिविन· जललोकनि
वीक्षणमिमार्ग· हर्दशिनि· तत्त्वबान्धव· महाकारुण
हा· तनकिरवज्रहृदयं· तवहृदये॥ ८ ॥ ❁ ॥नागन
भूनाथ॥ कालदण्डमानं॥ ॥नमामि श्री सिंहनादलोके

ॐ अत्र सिंहलक्षोणादि सर्वत्र ऊर्ध्व २ एक मुख त्रिभुज. त्रि नियन. आयुध वर्मालंकृत. सिंहवाहनी ॥ ॐ ॥ नमो नमः नमो नमः नमो नमः ॥ ॥ दक्षिण पीठ अग्न रव विकसित पीठ जाघत्रि. भुजं अग्नलक्षण त्रिगल धरी २ वामकक्ष धृत. पद्मापत्रिख पुस्तक मात्रादि

इक्षु गुड. कैरवनाद्री ॥ ॥ सज्जत्रय नि त्रयाग्र. धत्र ए रावन गवपद पूजयामि २ ऊर्ध्वजन्मकृत. पापत्रा णि कृत्य कत्र. ज्ञयामि. भुवनहर्ष सौभाग्यं ॥ ४ ॥ ॥ ॐ मालव ॥ मालमाथ ॥ एकलपन त्रिभुज. लोहितत्र हर २ म कूट शालंकृत. सन्निभा रुवृद्ध ॥ ॐ ॥ नमामि पद्मल

पिश्वनत्र लोकश्वनत्रे२ ॥ पद्मविधूचक्रवाल सैनकूम
नूस्थिति ॥ ॥दहिनकत्रदिवाकत्र किनहसंप्रकाशिति
२ वामकत्रवीशापत्रि मुकुलितकर्ड ॥ ॥गुत्रवत्रह
गत्रह इर्गाणितत्रह२ वावकस्रवनहर्ष सुखावती
गमन ॥ ध्रु ॥ ॥नामश्रीसमत्रमालगी ॥ नालरूप ॥ ॥

प्रजावीजसीरव अवदातवर्ह श्रीनाराकनाथअगत
मोलि धनही ॥ ध्रु ॥ ॥नोमिणी हमिहनिहमिवाहल लो
कश्वनी२ पेवाल्य मार्जहमि लीलामनि स्थिती ॥ ॥द
कप्रकाश वृहदर्शन शिमीम अंजनाला गीम इर्गा
णिस्थित लोकसंदर्शिनी ॥ ॥ गुत्रवादीराजस्तवन धनि
वासपुत्र देव धन उद्यपुत्र लक्ष्मीजिन२ अवतपुत्र कमंडल धानिनाथी ॥ ॥

विजलाणनै॰ गुरुवलम्छेदावक॰ जिल्लिनाथानै॰ ध्रु॰
नामामर्मजमि॰ मालऊप॰ मकूटविप्रालिन॰ श्रीनिन॰ जि
नराजै॰२ विरुक॰ मजानन॰ ग्रहिनमनै॰ ध्रु॰ मानैनि
त्रैलाक्य॰वर्तिनलोजनं॰२ मनीनि॰ त्रिरुवन॰नाथभृत
वासि॰ क्रादिनी॰मितीकृत॰ रुद्धपादिधरनी॰२ मानव

हि॰ कुलिशांकिनाथा॥ कामवांकविकै॰ स्त्री॰ रोपुरु॰ आ
मि॰२ मानमर्मना॰ वांछितैवै॰ ध्रु॰ ॥ नागहैमाल॰॥
मालसाध॥ जीवान॰ सिरुव॰ नकवर्ति॰ कांकनरासनसी
स्तीं॰२ मोलिसीकनि॰ श्रमिमान्वि॰ मानमालिन॰
नयुर्हजी॥ ध्रु॰ नोलि॰ श्रीनकलोकव्वरी॰२ मानवादि

सिद्धायकै ॥ ॐ जयकङ्केकुण कादेउपाले मीनगाह
सिवोधनै ॥ ॐ कनकलमयनाथ कान्धदक्षा एकज
नत्रासिसिद्धमि २ स्वस्यादीगजमृगा एजामि सदा २
दहिमवीक्किगगुरुकली ॥ ॐ ॥ नागकेसरि नाल २
ईलाज ॥ नमामि २ नील कैलाकमथन व्याघ्रचर्मावन

गावर्ण २ पंकजदलाजा लोचननृप त्रिनागअग
न मौलिधत्रै ॥ ॐ ॥ नानाकुं २ कगाउजात्रल त्रनदनन्
दि नलालु २ पदकंजयुगे ॥ ॥ यजामि यजामि श्री शोरव्य
पुत्रंथत्र रजठमजामि सलामि मृजा २ गरुपत्रिमणि
मित दूर्वसुपात्रं दानपगः शुरुमाऊ पात्रं ॥ ॥ नमामि २

श्रीमाधवनिदान व्याख्यासहित

मार्गहि पुनर्जन्मसाचनी ॥ ॐ ॥ ॐ नागेश्वरनाथे
नाथेनालजालि ॥ ॐ श्रीकान्त श्रीनाथमूल श्रीमानिव
श्रीरुद्रशाश्रुविलरूप२ नामिन लोलक गुह्यस्वभाव
क त्रिभुवननायक लोकेशाय ॥ ॐ पूजाजालिभी-
लोकजनलगालन् नकुनुनकुनुनमनुमा- दि

जलमादि सुगानशाप्रे जायवाक्चिक्क्ष्वेडि
तिनथुनस्वामिनाल नथागनादि विधनि दादि
दि विध्वस्व२ कुकुरीद कनकमुनिकाधव शाक्क
मनादि वृद्धगमन ॥ श्रीसर्वमाशादि सकुटीगात्रा
वाधिसखस मानगमन२ त्रैलोक्यविजयादि हस्ती

ॐ॥ श्रीगणेशादिकुलगणेभ्यो नमः॥ ॐ॥ मेघप्रभनाथादि
सकलगणेभ्यः सर्वतोरङ्गकुलिशायुधेभ्यः श्रीमेरुशाय
सर्वविघ्नेभ्यः स्वगणेभ्यश्च बलिमुद्रां दर्शयामि॥ ॐ॥ दक्षि
णाग्रजानुभुवि वामपादमग्रं नतृदीर्घजङ्घं वेत्रमू
र्ध्वतलाग्रलोलमाल खनपुनरिममासनं॥

॥२॥ सर्पसमाकृतकर्णविभूषं नादगुरुत्वगतिं
गणपालं॥ पत्रमनत्रसमानविकल्पं नौमि सदा
गणनाथकदम्बं॥ २॥ जातफलीकुसुमीनजटूरु
कामलतीवनकुण्डलकर्णं॥ नैकिजाहमनत्रजलं
[illegible]

महिमसहाय विकटमूलाकृतये नमः ओं मूल
कंदाय क्लीं सर्वसिद्धिप्रदाय नमः ओं सिंहनादाय नमः
॥ ७ ॥ नागमनोहरकंधराय लंबोदरप्रहार
मूर्धाय ॥ ओं शुंभनाशयसेमनाथाय नमः ओं सिद्धिगण
नायकदंती ॥ ८ ॥ नागयज्ञोपवीतसमाधानकर्ण चरूप
दंतायनमः वेदबलकर्ण ॥ नमः सिंहासनदीनसहाय नमः
सर्वगणनायकदंती ॥ ९ ॥ नमो विरूपाक्षगजमुखाय
लंबुककायनमः लोलसर्पाय ॥ घोघनादविनोदिनादं
वे नमः सर्वगणनायकदंती ॥ १० ॥ बालसर्पशिरोंडि
तगणपे दंवविनायक क्षेत्रविनायकी ॥ अवपंडित सदा

ॐ गणविघ्नगणेशमहोदयविघ्नः ॥ २ ॥ ॐ श्रीं
गं गणपतये वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा ॥ ३ ॥ हस्तेदंडपत्रमेदं वं·
कार्य्यसिद्धिविनायकं ॥ सोणगात्रउपवीतंच · दहिमस्त
खसेपदं ॥ गजनीगजपतिवेव · गउव कुंग्रिलावने
॥ सर्वविघ्नहरेदं वं · गजवक्त्रेनमाम्यहं ॥ ४ ॥

ज्ञानठंगजनलथ्री ॥ ज्ञालरूप ॥ यागीवनाथयदपीकडठानधी २
ज्ञानठवतीनोमिश्रीगणदीयवत्रधी ॥ ५ ॥ नाथरूंनाथरूं · न
थस्त्रीनाथरूंरूं · दहिमनाथ · लजयपदे ॥ ६ ॥ वजडाकि
न्याद्गिगणपतिवत्रधी २ सेंद्रासिद्धमानगघ · एवठानधी ॥ ॥
दूती क्षाडाजाडिज · नाजडमनधी · यागीवनमसू · महाराय

हनधी ॥ धर्मार्थमनोरथ-कंवलरुनधी-इंद्रधान-रीझान-ज
लनिधिरानधी ॥ साकार निराकार-विठ्ठलनिरंजन-पृथ्वी
गगधी-जलमग्निसमीरजनी ॥ आमानलरत्नधी-माधव
कूहो-पूर्णिमानवरत्नधी-सप्तमग्रंथविनो ॥ सतगुरुचनधी-
निश्चयरुक्षानंद-रुघनिष्ठीयोगीवरु-वरवर्धूनीरुक्ष

॥ अनिघानवदन-अनिमीष
नयना ॥ हाजरहजूरत्र-विरंचिवादहा ॥ रुक ॥ नीला-
चलीला-नामनिरंजीरुसहजाला ॥ ॥ रुक ॥
दहिनकनिखजु-वामत्रिशूला ॥ खःपत्रीकुमाल
आघवमहूषिता ॥ रुक ॥ सकलमानवल-दर्पनिहंता

२ सितनवदिगा.रावरयहन स्म॥ ॥ ॐ ह्रिंसिद्धिवनदाय
कंदवात्रिभुवनवीरा·श्रीमहाकालगनस्म॥ फु॥ ह्रीं॥
[illegible]॥ [illegible]॥ ॥ ॐ ह्रिंसिद्धिविध्युरमलासिफू र्ग·
डयविघ्नगव नत्रिभुवनव्यापिका॥ फु ॥[illegible]॥
॥ ॥[illegible]॥[illegible]॥ ॥ ह्रिंमृखत्रिनय

न·त्रस्ररवर्ह्रिनगनमकुटकंठप्रकुलितक्रित
स्म॥ फु ॥[illegible]
[illegible]॥ ॥मणिगाहविलसित·कुंडलकमहा२हात
गालनह·अरितिगरवह्रींग॥ फु ॥सत्वभुजकनाति·
वामवगपात्र२नाद्रिगनगतिनमालविगा॥ फु॥

तत्रस्थितेभ्यस्तीर्थंकरेभ्यो नमः स्वस्तिकं आलिखामि
तत्रस्थपदकमलेभ्यः ॐ ॥ सर्वज्ञेभ्यो नमः निर्वाणत
स्थितेभ्यः सर्वसिद्धेभ्यो नमः स्वस्तिकं आलिखामि
नामसंस्मरणमालायां ॥ तालरूपं ॥ जिनजननिष्क्रमण
स्थितिकंहरेभ्यो नमः स्वस्तिकं आलिखामि ॥ तत्रस्थपदकम

ॐ ह्रीं ॥

॥ ॥

लीनमानिनिर्दलनाय नमः स्वस्तिकं आलिखामि ॥ अन
न्तवस्त्रकंजसीमंतायाः प्रतिक्रमणमवनितल
लिखामि ॥ तत्रस्थपदविनाशकृतदुःखं सकल
यदुःखप्रमादवशात् ॥ ॥ अघटितघटनानि
धानकौशलप्रथमसिद्धकवधूनामधिकाल ॥

जयमुनिसुव्रतियात्रा प्रस्तावे श्रीगौडीपार्श्वनाथ प्रतिदिनम्
हुमानमोस्तिवाल॥ ध्रु॥ ॥राग॥माल॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं
ऊं चंलंसचौंऊं २ह्रौंनंश्वर्म्मांसंहविंलंसंमें॥ ध्रु॥ ॥यंजामि२योंगमन्व
चंमंवंचचंहंकमलं॥ ॥ॐ ह्रीं श्रीं कांतनें दिव्यत्रिलोयनं२विघ्नविघ्वंसविधे
भंकंवज्रध्वयंधंत्रधे॥ ॥ऊंवाझटंमकुटं पंचजिनंत्राजिनं२विरुदिरुद्रं

षिनें धंवलवंयनें॥ ॥विघ्नचूरंणंकरां घ्रमत्रैः सविनं २ध्रुवंमा
मिंसदा नंवपदंपंद्मे॥ ॥नागंत्रसंत्रहेः हौं हिनंवर्धं२ मांधंवक्रं
धूं ऽ क्षूंमिरणुंवांत्रे॥ ॥यांलंश्वत्रेयजनें संरंमत्र स्थविनेः२
सेंदत्रानंदं धंमंखेर्मुदिनेः॥ ॐ ॥ ॥नागकन्नं॥तालपट्
कीकाल॥ ॥तज्जकनागनाऊं वेनतेयखगनाऊं यद्

नाऽस्नानपूजानपूर्णनाऽ ॐ ह्रीं श्रीं वाहनलो
कनाऽ ह्रां नमोऽर्हते नवग्रहसिद्धयुगले ॥ ॥
मकुटविराऽ ह्रीं लक्ष्मिलक्षिनाऽ चीऽवदन मृ
गेन्द्रभवनगी ॥ ॥देवाऽनिकनकान् वामकनधन
धी२ मृगमक्षिवेगमति यऽमक्षिवाहनी ॥ विधृतम

स्कंध सतगुच्चनऽ१२ एनक्षिऽ मृगवऽलोकऽ
नगीनी ॥ ॐ ॥ ॥नागकऽ ॥नालऽऽऽकाल ॥ ॥स्व
नदहनताय एमिस्मऽ२ सनसिऽकाऽनाऽह्व
चीऽवीना ॥ ॐ ॥नऽक्षिस्मा ऽलिस्कंकानवऽजा२
॥ ॥चीऽवदनं दहननयना२ निविऽऽलदव

र्धकृतिलकम्॥ ध्रु ॥कलदसिधाणा विलसितहस्त२
विदलितत्रिभुवनत्रिमंडलकष्ट॥ ध्रु ॥तत्रसिमंड
ल विनिहितज्ञान२ गलितसकलमात्र प्राकल्प
ज्ञान्॥ ध्रु ॥णणधत्ताक्रीत दक्षयज्ञीत२ विघ्रवि
नायक हतयज्ञीत॥ ध्रु ॥नामसदकमल हृद

नवदन२ हणतिनामहतओघगीत॥ ध्रु ॥ नाग
स्वेजगिनि॥तालमाथ॥ ॥ईविनसनावन विला
णयिक्रणम२ उथलनाग मंजललाङ्गमन२ ङगत
निवासियान्न॥ ॥नमियनमिय निनैतनदणा२
सहस्रहृदनिनेया जिनहानभविण॥ ॥नाचयि

त्रे॰ ऊगतनिवासियात्रे॰ ॥चउथागिनि॰ मनित्रे॰ वऊवा
नाहिन्नालिंगक्षे२ कालचित्रनाचयित्रे॰ ऊगतनि॰
वासियात्रे॰ ऊथरुनाना॰ कत्रुकत्रुक्षत्रे॥ ॥ऊय
न्नालिंगन॰ निनावर्षवानित्रे॰ नाचयित्रे॰ ऊगतनि॰
वासियात्रे॰ ऊथरुनाला॰ श्रीसंवनाऊगमत्रे॰ ऊग

तनिवासियात्रे॥ ॐ ॥ ॥नागरेनवमालणी॥ तालइ
र्ऊमान॥ ॥धूमीगमनिर्चेजकनाली२रीष्मधिंगल
कठम॰ त्रिनयने॥ ॐ ॥तुंजयिया॥ ॥एकम॰ सहग
घइत्रि२ कनानात्मानवे॰ महावलिपऊगात्रे॥ ॐ॥
ॐहुंहुंहीं श्रीचउमानविनाशिता२ ॐहुंहूंकनीक॰ वि

ग्रनिवारणं॥ ॐ॥ समयानुकूलं ज्ञानमोदवी२ व
र्जनिवर्जुलिं॰ चउमवेवयन॥ ॐ॥ सिद्धकीजानन्न
प॰ छत्रावलिं॰ भमरं२ मोक्षिकनीक॰ समाकुलं॰ भ
रं॰॥ ॐ॥ त्रुटमहावलि॰ चित्तवनगहं२ मद्यमत्
समीस॰ वृषिनग्राहान्न॥ ॐ॥ ॥नागगीधनरेन्

कलितमन्त्रि॰ मृन्नायन॰ सत्यवति॰ नाचयिवज्ञस
त्व॰ जनमध्यलीनवति॥ ॥नस्मिसहस्रकिरण॰
प्राउगासूर्य्य॰ साहास्यवति॰ वहुविधनूप॰ विभल॰
मृन्नायन॰ तत्ववती॥ ध्रु ॥ ॥नागनामकगिरा
लमाथ॥ ॥श्रमलप्राप्ति॰ सीस्मितहासन॰

छिन्नाशसमवर्द्धहवनी॥ एकवदन॰ कुवलय॰
दायत॰ नेत्रय॰ कालिती॥ ध्रु ॥ नमामिथी॰ मृनाथ॰
नमीशथी॰ सकलज्ञानप्रदे॰ शिवयुनी॥ मकुटवि॰
घातित॰ पिचजिनवनी॰ सकललोकलग्न॰ कर्मकनी
॥ ॥प्रथमदजयुग॰ क्षत्रिमखजुन॰ मृज्ञानलोल

वसक्छंदिनी॥ ॥पवसव्यकनथ्रुतप्रवनशुक्लकेन॰ स
कलसत्वथ्रु॰ प्रतिवाधिनी॥ ॥द्वितीयकनद्वयथ्र
नितवामचाघात्॰ पक्कलमावत्राणिवेतिनी॥ ॥
विधिविष्णुशंकन॰ शक्रादिदवईडे॰ सद्गुरुकृपाद्
क्षितपदपंकजी॥ ॥दहिनगणपति॰ यामम हाकाल॰

सिद्धिबलबुद्धि॰ ज्ञानप्रदे॥ सकलगुरुपादीक्षा॰ मूलन
सवीक्षित॰ रनासिकिनहर्ष॰कुलिशाधरे॥ ध्रु॥ ॥ना
गकनदि॥ तालनृक्क॥ ॥विकचकमलाक्षि॰ दिन
कनमि ऊल॥ सिंहनवर्ग॰ धर्मादयासागिनी॥ ॥श्री
दवीणावर्ग॰ नृकमुख२ नवसद्धिनर्ग॰ विलवदाय

निशागिनी॥ दहिनवामपादकी चिलवधा२ कनधानि
कणिनिकुंदनिकृगशागिनी॥ ॥वामकनस्थिन·
स्वगिनमत्रनि२ग्रीवस्थिनिस्थिनिवधिष्ठगा
गिनी॥ ॥स्तनयित्नुपतनमाधवशृंगीकृत२ प्रणमा
मिश्रीरविच्छिन्नमस्तकशागिणी॥ ॥नागवनानि

सर्वाणंगमनमालजी॥ तालमाथ॥ ॥शून्यनेनेक्षन
कानिनक्षान·नमितनविद्व·ग्रिनताक्षहेरवी॥ क॥
प्रणमामि·त्रैलोक्य·चणीकन·लोकगौ२ शीगुलीताना
रवी·नमशीसे॥ वृती॥ ॥लोकसंदर्शन·समाधिश
नयन·विधिहस्तिशीकनादि·सनसंघसीसहे॥ क॥

२× ऽ क ल प न त्रिनयनेसंदृश्य२त्रिदशनस्थितलोकान् स्वर्गास्थापिनी ॥ ॐ ॥

स्वर्ग मर्त्य नाग लोकसंस्थित सकलसत्वाकर्षणकम
लासनस्थि ॥ ॐ वशीकृतपाप कामनसेवनि नु
चिमासमकसत्वान् त्रिनलोकप्रजिनी ॥ ॐ ॥
नागनिनाथ ॥ तालनीतमाथ ॥ श्रीमान्नार्यांविलो
कितंध्यननंदन समस्तवदवी झोंवीजात्मा२ कुंदस

३× हस्तग्रहद्वयेसंयुतलयन२ शुक्लवर्धनाऊ पूजिनिलोकर्ता ॥ ॐ ॥

कुसमसे जलजानीना सन्नमसकल विमाप्रदा२ वां
मकनद्वय वीणापुस्तक दहिनद्वयसंखमालावर
ना२ ब्रह्मविष्णुशंकने हंसविनीश्री श्री श्रीसत्व
तीदेवी स्वीनमामि२ ॥ चंद्रमंडल सा२ उदयनी हंस
जथसंस्थिनी२ कनकनकदंडा जनानिम स्वमातवच

नमो कामनदहिअस्मिन्मस्मिन्त्र कुंत्रमहंदमी
जननिमीअंमवत्वयं ॥ तांत्रंमागत महासुख
प्रदायिनिब्रह्मिदायिनीदविनोमिपुरवी॥ नवमहाक
मेश त्रिभुवनवलयिया एकानीरावभूषायिया॥
ॐआदीनविद्यानी निन्मनहानेदहिम॥ प्रणमामि

सानरःखीहावयामि॥ ॐ॥ ॥नागमदीजनि॥ तालमा
ल॥ ॥मुखमावदनतोडी बालकोमानिदवी॥ नक्क
त्रिनयन मयूरासनी॥ ॐ ॥प्रणमामिदेवी विश्वबा
जिनी॥ ॥चतुर्भुजविंश सिद्धिमाप्रधानी॥ मुखनयु
ॐ शक्ति कार्त्तिकानी॥ ॥नक्कवस्तुला एतमहत्तम

शिला२ त्रिनिरवनआंगिता॥ ॥सर्वइःखइनिरविना
शिला२ धनरक्किसल॰ मनकपूत्रिका॥ ध्रु ॥ ॥
नागलतक॰नी॥ तालमाथ॥ ॥गिदलकमलवत्र॰ ध्रु
समगयत्र२ मधुकन॰ ह॰त्व॰लीना२ श्रीवित्रमाङ्
खगमखदवी॰ मंभनपालआंगिता॥ ध्रु ॥नमामि

नेत्रास्त्रयो॰ त्रिभुवनआंगिता॰ वक्षुलाखवीश्री॰ मृग
खनि२ सयनसनासन॰ वंदितवत्र श्री॰ मृनगत्र त्रिसि
त्रि॰ वत्रप्रदाता२ नेत्रनमिव॰ वंदनत्रो॰ मृनगक्षुत्रम
पात्रि॰ ज्ञानवन॥ ॥निलगीतासम॰ वागमनिर्गीर्थ॰ मृ
नगतीर्थसिसमागता॥ ॥मृखनेत्र॰ मंख्याजिनीद

वी॰ स्त्रनाद्यनन्तसुखाला२ सहस्रमहस्र॰ इन्नित
निवासिनी॰ स्त्रनघविघ्ननिवारणी॥ ॥विश्वआवि
धी॰ नारसीदवी॰ स्त्रवयनिजनआनिमयं२ स्त्रहिमनस्
वहुलदायनीमनी॰ ऊनमनुग्रमायणानगगति॥ ॥
नागमालव॥तालनाथ॥ ॥नक्षवर्धक॰ सुखदि

हरं२ त्रिषुवदहिनहरं॰ महोत्सवमुनि॥ ॥ ॥न
मामिश्रीलीमसन॰ पसामवसं२॥वामहरंआगुन॰
धुलासनमर्हनि॥ ॥सर्वसिद्धेलाक॰ सुनसीदनिं२ ह
जूवर्धन॰ सुखकानिसहिता॥ ॥सर्वलाकपूर्नुना
रानुमैगलां२ रंगानहीरान॰ सुलादसिद्धि॥ ॥रंगतम

नीलांजन-शिखिच्छवि-दहिन२हनुनुचन-श्री-वनमाल
रहिद्रि॥ ह्रीधनुरलंकृत-पुलादसिद्धि२ वम्मालं
जिनिस्थित-वशाचार्य्यसनस्थि२ स्मरनप्रलब्धव-श्री
नाशाक्षी॥ ॐ॥ नागकङ्क॥ मालमटकीजाल॥
हतावलगिशोधन-बालवीरशोधन२ वर्तुल त्रिनयन-

घोरनक्तवदन॥ ॐ॥ ॐवज्रयक्षीश्वरीवज्रमहालेम
ल॥ ॥हसिमसिहुदन-नागनाडकुंडल२ कर्णिक
पालकम-धनन्दीजमाला॥ ॐ॥ कवीधधूसितमन
स्त्रीनीलविग्रह२ कमलपाशिनासन-धनिलमान
शासन॥ ॐ॥ हनहनगमीनाथ-मम्महिनरवीर२ ह

जलिसेनवगीत॰महावृक्षडोम॰ ॐ ॥ ॥नागकन्यदि॰
वट्कीकान्न॥ ॥नीलवर्णिनयक्षिदवी॰चक्रीकुंडल
किं०२ नचकमखल॰रजितनूपधनिता॥ ॐ
स्व॰समानधि॰शक्तिपूजिता२ स्व॰स्व॰वीजाजन॰
समुत्पन्नादविमानकी॥ ॐ ॥नमामि२रविंद्रीनाम

कि२ नवशोचनीदवी॰जिनशुद्धनदिनी॥ ॥पंचकूं
रु॰ मूलनमाग्र२ हनाहननग्रे॰वंदितचन्द्र॥ ॐ ॥
नागवल्लि॥गुंजमिलालजप॥ ॥पीतवर्णी॰मामकि
रवि॰विष्णुआधिता२ मूलधानन॰वानुसिद्धी॥
॥ॐ ॥नवशोचन॰त्रैलोक्यहनदिनी२ स्वस्ववीज

ज्ञम॰ सम्स्वन्ना॥ ॥चक्रिकीऽलकीऽि॰ मोचक्रमवे
ला२ लक्ष्मसहियुत॰ मज्रमिला॥ ॥नमामिवान्
धीस्वी॰ हत्रध्यनी॥ २ पूज्यामिम॰ मनावीक्ष्मिला॥
सम्गुन्चत्रम॰ ध्रमामालिएकामा॥ २ मन्त्रुनसि
ध्रि॰ माजुम्रदी॥ ध्रु॥ ॥नागकन्द॥ षट्कोन॥ ॥ह

निनवर्म्भूगी॰ त्रिनयनहृदयी२ नवयौवन॰ मावम॰
हा॥ ध्रु॥ ॥तुङ्गस्तनविलासकि वान्मिश्वी२॥ ॥सहो
गासुजा॰ हलनीतु किन्नम२ पीचवृक्षस्तमा॰ तुङ्ग
यागिनीतन्त्री॥ ध्रु॥ हकाम॰ मह्निनवर्म्भूहाकाल
गीधनाताल२ क्लीःकालवीजहिता॰ ग्रहमाकालीम॥ध्रु॥

ष्ठगुरुचनं॰ शिरसागधनिया२ ग्रनयिसिद्धिवज्र॰
वज्राचार्य्यगीतं॥ ध्रु॥ ॥नागबधूंजलि॥ तालमाथ॥ ॥
पंचमहाबाह्रसमयाचान्त्रिभुवस्थान२दशाधिपासेवन॰
स्थानाधियात्रं॥ ध्रु॥ ॥वीरवीरभ्यनवधिस्थान॰मेत
लगाहनि॰विघ्नछनिया२ ग्र॰ ङ्क॰ का॰ ना॰ वनिधान

दधि॰ दानपारमियाविघ्ननिवारनय॥ ॥म॰ग्रणीसेवन॰
मारकालचक्र॰ हवज्रकाय॰ विघ्नछलिया२ जाग
जागिनिमन्त्रिया॰ विघ्नजननि॰ समयाज्ञानीद॰ रन॰
धिहाधि॥ ॥सिंहनादवाक्रियात्रं॰ उमनूप्रसाद॰ ग्र॰
ग्रजागिनिदानपूरयं२ जालीधनिपूत्रं॰ ग्रवधूवनधि

या·क्रमुक·चनगरनीतिहायि॥ ॐ॥ ॥नगरीमन॥
मालणी॥ मालमाथ॥ ॥ऊर्ध्वलोकचक्रवर्त्तिया॥ ॥धर्म
धातुचक्रवालात्प्रकाशी॥ ॥ॐ·त्रिभुवनचक्रवालसोका
पनिडाँकाती॥ ॐ॥ ॥नमामि·श्रीमान्·ऊर्ध्वलोक·चक्रव
र्त्ति॥ ॥चक्रनाथ·ऊर्द्धदिग·सेवितं॥ ॥धर्मनाऊनस

न·स्थितऊनहीशी॥ ॥नथागतगमन·ऊधर्वलोकन
शी॥ ॥ऊगत·नाथ·ऊगत·माथिता॥ ॥ऊगत·पालन·का
मचालिती॥ ॥ऊगतदुःखसर्व·समहनी॥ ललिता
कुपण·सेस्थितोंकनीकु॥ ॥दऊगायमूलेन·धर्मच
क्रप्रवर्त्तनी॥ वामगाय·मूलेन·धनगकलिता॥ ॥ना

गच्छ·माहमायाविधिर्पाठा·॥ मानगण·सिंग्रासन·
कालदनकरूपाणी॥ ॥जगद्रक्षकामन·मुक्तमालाधान
री॥ विंशतिशिवन·सत्कायशेली॥ ॥हस्तीमनसा·
जनधनसानी॥ ॥पवर्ग·जगद्धन· सिंघ्रषगहा॥ ॥
वशीकृता·वाक्ता· कनलाकर्षणी·॥ वेतगणदनक्ष

क॰ हंसवाहनी॥ ॐ॥ ब्रह्मसामिदवी॰ श्रीब्रह्मायणी॥
॥ ॥वामदहिनकत्र॰ क्षत्रिकमालविंश॥ ॥सूपत्र
कत्रक्षत्रिसूत्रकमंडल॰२ सर्वत्रसखेल॰प
यत्रिदवी॥ ॐ॥ जगतःखदर्पनाणानि२ यनस्मत्र
ह्म॰ सूर्तिलाभपूत्रिता॥ ॐ॥ ॥रागनाटक॥ ताल

ह॰ र्ज्ञमान॥ ॐश्रीव्यत्रिद्वि॰ हंसवाहनी२ धवलवद
ना॰ त्रिनयना॥ ॐ॥ ॥नमामि२ श्रीजगज्जननीत्रयी
॥ ॥सर्वमापिनि॰ चै॰ ईतांबरी२ मूलरज्ञ्य॰ विं
ह्मपात्रधत्रा॥ ॥ॐतनदहिनभुज॰ सूजसूत्रवत्र२
वामस्त्रमत्र॰ कमंडल॰ त्रिशूला॥ ॥जगज्जननी॰ जग

दीप्यन्ती२ मुक्तिमुक्ति·प्रदायविदवी॥ ॐ॥ "ना
गकन्न॥ तालमल्लकीकाल॥ "मघवैभवनन्द·मिनि
नवदन२ दुर्द्धर्षिगालकंठा·गीकालिकादवी॥ ॐ॥
जगतमातृकाली·गीचामेजादवी॥ "सूर्यसमव
दना·विद्रुकपालधात्रे२ नमस्त्रैगुण्य·वज्रेश

एकधन्न॥ ॐ॥ "कालचेत्रेत्रव·त्राहिगानगभ२म
हानागविणुक्रि·महामायाकाली॥ ॐ॥ "नन्नमकुट
लिनसि·मुण्डस्रधा२ननचर्मवल्लिन·कंकालन्न
विनी॥ ॐ॥ "प्रतास्त्रन·त्रियुगधसर्व२ चापचित्र
ण·प्रत्यालीढपदे॥ ॐ॥ "॥ "नागकन्नदि॥ तालन्नक॥

चक्रवर्त्तिदेहा · त्रिदशैकाम्या २ नगनमकुटेश्व · ९
त्रिनिलोचनि॥ ॥नमामि त्री त्रिशायनी · त्रिदश
लमस्तापिता २ अक्षि सिद्धिदायनी · जगतरननी॥
दक्षिनकादिनी · वामपात्रधनी २ विचित्रपुष्प
माला · कनधनी॥ ॥सन्मंडलमाश्र · प्राकल

नूविधी २ नानालीकृत · पुत्रप्रवतिनी॥ ॥एन
यित्रत्रवजन · वज्रगीता २ श्रीवज्रदवि · चत्रध
मानूणनधा॥ ॥ ॥नागवनामि॥मालमा
श्र॥दिनमनिनीजित · वज्रजालसाद २ त्रिनिनायन · दि
गीवना॥ ॥नमामि २ श्री त्रिशावनिदवी॥ ॥नग